दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 125/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 28 नवंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स में 100 अंकों की तेजी, 85,820 पर पहुंचा

मुंबई। शेयर मार्केट में आज यानी 28 नवंबर को तेजी है। सेंसेक्स 100 अंक चढ़कर 85,630 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 20 पॉइंट की तेजी है। ये 26,230 के करीब है। आज ऑयल एंड गैस, ऑटो और बैंक के शेयरों में गिरावट है। वहीं रियल्टी शेयरों में तेजी है।

पीएम मोदी ने उडुपी में किया रोड शो, 1 लाख लोगों के साथ गीतापाठ किया

दुश्मन दुस्साहस दिखाएगा तो तबाह कर देगा हमारा सुदर्शन चक्रः मोदी

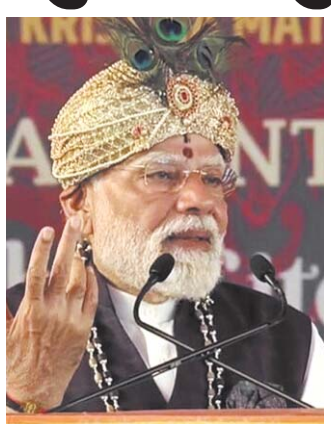

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कर्नाटक के उडुपी में श्री कृष्ण मठ में पूजा-अर्चना की, सुवर्ण तीर्थ मंडप का उद्घाटन किया और सोने का कलश चढ़ाया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 1 लाख लोगों के साथ श्रीमद्भगवद गीता का पाठ किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कर्नाटक दौरे में भारतीय संस्कृति में उडुपी के योगदान की जमकर सराहना की. श्री कृष्ण मठ और लक्ष कंठ गीता पारायण प्रोग्राम में प्रधानमंत्री मोदी ने भगवदगीता के महत्व को लेकर चर्चा की. इस दौरान पीएम ने पहलगाम हमले और सुदर्शन चक्र (राष्ट्रीय सुरक्षा कवच) का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि दुश्मन दुस्साहस दिखाएगा तो हमारा सुदर्शन चक्र तबाह कर देगा.

पीएम ने कहा, 'उडुपी की धरती पर आना हमेशा अलग से अनुभूति देता है. यहां आना मेरे लिए एक और वजह से विशेष है. उडुपी जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी की कर्मभूमि रही है. इसने नए गवर्नेंस मॉडल की नींव रखी थी। इस दौरान पीएम ने कृष्ण मंदिर के सामने बने सुवर्ण तीर्थ मंडप का भी उद्घाटन किया और पवित्र कनकना किंदी के लिए कनक कवच समर्पित किया. यह 100,000 लोगों का एक भक्ति कार्यक्रम था, जिसमें स्टूडेंट्स, साधु, विद्वान और अलग-अलग तरह के लोग शामिल हुए.पीएम मोदी सुबह 11 बजे के करीब उडुपी पहुंचे। विमानतल पर उनकी भव्य अगवानी की गई। इसके बाद उन्होंने तीन किलोमीटर लंबा रोड शो किया। रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी।

प्रधानमंत्री शाम को गोवा जाएंगे। वहां कैनाकोना में श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में भगवान राम की 77 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार ने यह प्रतिमा बनाई है। श्रीराम की यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री एक विशेष स्मारक डाक टिकट और एक सिक्का जारी करेंगे।

'गीता के श्लोक से मन को आध्यात्मिक शक्ति'

पीएम मोदी ने यहां एक लाख लोगों के साथ गीता पाठ किया। उन्होने कहा-, 'जब एक लाख कंठ गीता के श्लोकों का उच्चारण करते हैं, गीता जैसे पुण्य ग्रंथ का पाठ करते हैं. इतने दैवीय शब्द एक साथ गूंजती है तो ऐसी ऊर्जा निकलती है तो हमारे मन और मस्तिष्क को संबल देती है. यही ऊर्जा मन को आध्यात्मिक शक्ति देती है।

अयोध्या से उडुपी तक रामजन्मभूमि आंदोलन में संतों की भूमिका रही है. उडुपी के लिए राम मंदिर का निर्माण एक और कारण से विशेष है. नए मंदिर में वेदांत के प्रकाश स्तंभ जगद्गुरु माधवाचार्य को भी जगह दी गई है।

सांध्यप्रकाश विशेष

दुनिया के शक्तिशाली देशों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर भारत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट ने अपनी वार्षिक एशिया पावर इंडेक्स 2025 जारी कर दी है, जो एशिया के 27 देशों में सैन्य, आर्थिक, कूटनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव का विस्तृत मूल्यांकन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट में क्षेत्रीय शक्ति में बड़े बदलावों पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें चीन एशिया की प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। भारत लगातार ऊपर उठ रहा है और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभाव में पिछले वर्षों की तुलना में गिरावट आई है।

रिपोर्ट आठ क्षेत्रों (सैन्य क्षमता, रक्षा नेटवर्क, आर्थिक ताकत, कूटनीतिक प्रभाव, सांस्कृतिक पहुंच, लचीलापन और भविष्य के संसाधन क्षमता) के आधार पर रैंक करती है। इस रिपोर्ट में पाकिस्तान शीर्ष 10 से बाहर है और उसे 16वां स्थान दिया गया है।

दुनिया के 10 पावरफुल देश

1. संयुक्त राज्य अमेरिका 80.5 सुपर पावर
2. चीन 73.7 सुपर पावर
3. भारत 40.0 मेजर पावर
4. जापान 38.8 मिडिल पावर
5. रूस 32.1 मिडिल पावर
6. ऑस्ट्रेलिया 31.8 मिडिल पावर
7. दक्षिण कोरिया 31.5 मिडिल पावर
8. सिंगापुर 26.8 मिडिल पावर
9. इंडोनेशिया 22.5 मिडिल पावर
10. मलेशिया 20.6 मिडिल पावर

भारत की बढ़ती शक्ति

रिपोर्ट में एशिया में भारत के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया गया है। 2025 में भारत ने 40.0 स्कोर के साथ 'मेजर पावर' स्थिति की दहलीज को पार कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का यह उदय उसकी मजबूत आर्थिक वृद्धि और बढ़ती सैन्य क्षमता से प्रेरित है। हालांकि भारत की सैन्य और संसाधन वृद्धि महत्वपूर्ण रही है, लेकिन इसका कूटनीतिक और आर्थिक प्रभाव अभी तक इसकी क्षमताओं में वृद्धि से पूरी तरह मेल नहीं खा पाया है जो आगे के विस्तार की अपार संभावना को दर्शाता है।

केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन ही 'सुपर पावर' श्रेणी में सूचीबद्ध हैं। अमेरिका अभी भी शीर्ष पर है, लेकिन एशिया पावर इंडेक्स 2018 में लॉन्च होने के बाद से यह सबसे कम प्रभाव स्कोर दिखा रहा है। विश्लेषक इसका श्रेय ट्रम्प प्रशासन के दौरान की गई नीतिगत निर्णयों को देते हैं, जिन्हें एशिया में अमेरिकी प्रभाव के लिए शुद्ध नकारात्मक बताया गया है। चीन लगातार संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अंतर को कम कर रहा है, 2020 के बाद से अंतर के मार्जिन को अपने न्यूनतम बिंदु पर ला रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवींद्र भवन, भोपाल में विश्वरंग 2025- टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव को संबोधित किया।

प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं, कानून कठोरता से अपना कार्य करेगाः डॉ मोहन यादव

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने आज गौहरगंज में बच्ची के साथ दुष्कृत्य कर भागे आरोपी के एनकाउंटर को लेकर साफ शब्दों में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं, कानून सर्वोपरि है और कठोरता से अपना कार्य करेगा।

डा. यादव ने भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि हमारी सरकार के गठन के साथ ही हमने पहचान बनाई है। हमारी सरकार सुशासन के लिए जानी जाती है। शासन की व्यवस्था के अनुसार सब

अपने-अपने ढंग से जीएं। जो व्यवस्था के अनुसार नहीं चलते हैं, सरकार उनसे निपटना भी जानती है। उन्हें प्रतिबंधित भी करती है। हमारी पुलिस छोड़ने वाली नहीं है। जरा भी ढिलाई होती है तो हम कस देते हैं। सलमान के मामले में जैसा पता चला है कि उसने एक अबोध बच्ची के साथ दुष्कृत्य किया है। वह पुलिस की पकड़ से बाहर था। उसके भागते समय पुलिस ने शार्ट एनकाउंटर करके उसे पकड़ा है, हमारी पकड़ से कोई अपराधी दूर नहीं रह सकता। जो भी कानून से खिलवाड़ करेगा, हम उसे छोड़ने वाले नहीं हैं।

छग में डीजीपी-आईजी कान्फ्रेंस

गृहमंत्री अमित शाह और अजीत डोभाल रहेंगे मौजूद, पीएम मोदी आज रायपुर पहुंचेंगे

रायपुर। नवा रायपुर स्थित आईआईएम कैंपस में आज, 28 नवंबर से डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस प्रारंभ हो रही है। गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसमें शामिल हो रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी आज रात रायपुर पहुंचेंगे। पहले दिन कॉन्फ्रेंस में दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक लगातार बैठकें चलेंगी। इन बैठकों में देश की आंतरिक सुरक्षा, खुफिया तंत्र और भविष्य की रणनीतियों पर उच्चस्तरीय चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। देशभर से लगभग 600 अधिकारी और विशिष्ट अतिथि इस कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर को भारत आएंगे, कई मुद्दों पर होगी बातचीत

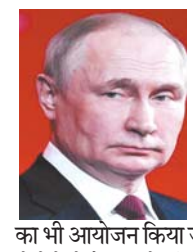

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को भारत पहुंच जाएंगे। वे यहां पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्तों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी और उनके सम्मान में भोज का भी आयोजन किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पुतिन का यह दौरा दोनों देशों के संबंधों की समीक्षा का अहम मौका होगा। इसके अलावा भारत-रूस अपनी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त कूटनीतिक साझेदारी के लिए दृष्टिकोण निर्धारित कर सकेंगे।

उत्तराखंड में 14 जनवरी से होगा अर्धकुंभ, 4 शाही स्नान सहित 10 मुख्य स्नान तय, 13 अखाड़ों ने जताई सहमति

हरिद्वार। उत्तराखंड में 2027 में होने वाले अर्धकुंभ की तिथियां तय हो गई हैं। हरिद्वार में ये आयोजन 14 जनवरी से शुरू होगा और 30 अप्रैल को खत्म होगा। 107 दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 10 प्रमुख स्नान शामिल हैं। जिसमें पहली बार चार शाही अमृत स्नान भी होंगे। आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार डाम कोठी में अखाड़ा प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में मेला प्रशासन की ओर से 13 अखाड़ों के दो-दो सचिव या नामित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तिथियों की घोषणा के बाद संतों ने कहा कि यह मेला कुंभ की ही तरह दिव्य और भव्य रूप में आयोजित होगा, जिससे हरिद्वार में करोड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

10 प्रमुख स्नान पर्व तय किए गए

अर्धकुंभ 2027 में कुल 10 प्रमुख स्नान पर्व तय किए गए हैं, जिनमें 4 शाही स्नान शामिल हैं। यह पहली बार है जब किसी अर्धकुंभ में शाही अमृत स्नान होगा। प्रशासन ने बताया कि भीड़ प्रबंधन, गंगा घाटों की क्षमता और मार्गों को देखते हुए सभी स्नान पर्वों के लिए विशेष तैयारियां होंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नए अस्थायी मार्ग और पार्किंग स्थलों पर भी चर्चा की गई।

13 अखाड़ों ने भाग लिया

कुंभ 2027 की तैयारियों पर हुई चर्चा में 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी अखाड़ों ने एकमत होकर व्यवस्था, स्नान तिथियों और आयोजन स्वरूप पर सहमति जताई। संतों ने कहा कि अर्धकुंभ की गरिमा बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदम सही दिशा में हैं।

नीतीश ने 10 लाख महिलाओं के खाते में फिर 10-10 हजार भेजे

पटना। एनडीए सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत शुक्रवार को फिर से 10 लाख महिलाओं के बैंक खाते में 10-10 हजार रुपये की राशि भेज दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डीबीटी के जरिए राशि ट्रांसफर की। इसके लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उनके साथ

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय चौधरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और विभागीय प्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा की जो महिलाएं अपना अच्छा काम करेंगे उन्हें 2 लाख तक की मदद की जाएगी। इसलिए आप लोग अच्छे से कम कीजिए। बाकी जो महिलाएं बची है, उन्हें अगले महीने तक राशि दे दी जाएगी। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि अब तक एक करोड़ 46 लाख महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का लाभ मिला था। आज 10 लाख महिलाओं के खाते में दस-दस रुपये ट्रांसफर किए गए हैं इस तरह से एक करोड़ 56 लाख महिलाओं को अब इस योजना का लाभ मिल चुका है।

कर्नाटक में टल गया कांग्रेस का संकट? डीके शिवकुमार बोले- मुझे कोई जल्दबाजी नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर बवाल मचा हुआ है। यह सियासी लड़ाई वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच है। सीएम पद को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच डीके शिवकुमार ने गुरुवार को इस बात से इनकार किया कि उन्होंने फिलहाल मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह लेने के बारे में कोई बातचीत की है।

हर दिन बदल रहे युद्ध के तरीके, भारतीय सेना फ्यूचर वॉरफेयर के मुताबिक तैयार हो: सीडीएस चौहान

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध लगातार खुद को बदलता और बनाता रहता है। जो कॉन्सेप्ट भविष्य के लगते हैं, वे लागू होने से पहले ही पुराने भी हो सकते हैं। यह एक ऐसा रिस्क है जो सेना को उठाना पड़ता है। इसलिए फ्यूचर वॉरफेयर के मुताबिक अंदाजा लगाना, तैयारी करना हमारे अस्तित्व से जुड़ जाता है। इसका दूसरा कोई ऑप्शन नहीं है।

सीडीएस चौहान ने गुरुवार को नई दिल्ली के सैम मॉनेकशॉ सेंटर में चल रहे चाणक्य डिफेंस डायलॉग में ये बातें कहीं। वे फ्यूचर वॉर्स: मिलिट्री पावर के जरिए स्ट्रेटेजिक पोस्चरिंग विषय पर बोल रहे थे। इससे पहले प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू चाणक्य डिफेंस डायलॉग के इनॉगरल सेशन में शामिल हुईं। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कीनोट एड्रेस दिया। डायलॉग 2025 की थीम है- रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म: सशक्त और सुरक्षित भारत'।

जो 6 माह जेल में रहा, जज के फर्जी हस्ताक्षर किए, उसे आईएएस कैसे अवार्ड हो

वरिष्ठ भाजपा नेता विधायक गोपाल भार्गव पूछेंगे सीएम और सीएस से

भोपाल सांध्यप्रकाश। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा विधायक गोपाल भार्गव का कहना है कि अजाक्स अध्यक्ष संतोष वर्मा ने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन करते हुए ब्राम्हणों के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी की है। विधानसभा सत्र के दौरान वे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन से पूछेंगे कि जो अफसर छह माह जेल में रहा, जिसने जज के फर्जी हस्ताक्षर किए और जिसका महिलाओं के प्रति अमर्यादित आचरण का रिकार्ड रहा है उसे भारतीय प्रशासनिक सेवा जैसी प्रतिष्ठित सेवा में पदोन्नति कैसे मिल गई, आईएएस कैसे अवार्ड हो गया। इनके सभी पुराने मामलों की फिर से जांच की जाना चाहिए।

भाजपा के कद्दावर नेता गोपाल भार्गव ने कहा कि अजाक्स के अध्यक्ष संतोष वर्मा को लेकर समाचार पत्रों, सोशल मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया में जिस तरह की जानकारी सामने आई है उससे यह सामने आ रहा है कि सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए वर्मा ने इस तरह की बयानबाजी की है। ब्राम्हण की बेटी अपने बेटे के लिए दान में लेने और उससे संबंध जैसे बयान तो कोई मूर्ख व्यक्ति ही दे सकता है।

उन्होंने कहा कि पूर्व अध्यक्ष जेएन कंसोटिया हमेशा मर्यादा में रहे। उन्होंने इस तरह की अमर्यादित टिप्पणियां कभी नहीं की। कोई नेता, जनप्रतिनिधि इस तरह से सार्वजनिक बयान दे तो अलग बात है लेकिन भारतीय प्रशासनिक सेवा जो सिविल सेवा आचरण नियमों से जुड़ी हुई है। शासकीय सेवा में रहकर कोई कैसे इस तरह के वैमनस्यता फैलाने वाले बयान दे सकता है। मुझे तो लगता है कि अपने वर्ग में पूर्व अध्यक्ष कंसोटिया से अधिक लोकप्रिय होंने के लिए उन्होंने यह हथकंडा अपनाया। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है।

भार्गव ने कहा कि एक दिसंबर से विधानसभा का सत्र शुरु हो रहा है। वे इस दौरान भोपाल आएंगे। वे मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से पूछेंगे कि जो अधिकारी छह माह जेल रह चुका है, जिसने जज के फर्जी हस्ताक्षर किए, जिसका महिला के साथ दुष्कर्म का रिकार्ड है उसे पदोन्नति कैसे मिली, उसे आईएएस अवार्ड कैसे हो गया।आमतौर पर राजनेता भी इस तरह से जातिवादी बयानबाजी नहीं करते है लेकिन वर्मा ने तो मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दी है। वे मुख्य सचिव से कहेंगे कि इनके पुराने रिकार्ड निकालकर उनकी जांच की जाए और यदि उन्हें गलत तरीके से आईएएस अवार्ड हो गया है तो शासन स्तर पर जो कार्यवाही की जाए।

सात दिन में देना है सामान्य प्रशासन विभाग के नोटिस का जवाब

इधर सामान्य प्रशासन विभाग कार्मिक ने समाचार पत्रों में प्रकाशित आईएएस संतोष वर्मा के द्वारा सार्वजनिक रुप से ब्राम्हण समाज की बेटी को अपने बेटे को दान में देने और उससे संबंध बनाने जैसे अनर्गल बयानों के लिए उन्हें नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है। वर्मा के बयानों को सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लल्घन और कदाचरण मानते हुए इसके लिए उनके खिलाफ कार्यवाही करने की चेतावनी देते हुए इस पर उनसे सात दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि वर्मा सात दिन में जवाब नहीं देते है तो राज्य शासन द्वारा इस मामले में उनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही की जाएगी।

समाजसेवी डॉ. लक्ष्मी मीणा एवं प्रतिज्ञा फाउंडेशन की विशेष पहल, विकलांग बाल आश्रम में उम्मीद का उजाला

भोपाल सांध्यप्रकाश। समाज की प्रगति का सही मापदंड यह है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के जीवन में कितना प्रकाश भर पाता है। इसी उद्देश्य के साथ समाजसेवी डॉ. लक्ष्मी मीणा और प्रतिज्ञा फाउंडेशन की टीम ने सेवा भारती प्रकल्प, गांधीनगर (भोपाल) स्थित विकलांग बाल आश्रम का दौरा किया। यह केवल एक औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भरा वह क्षण था, जिसने बच्चों के साथ-साथ टीम के सदस्यों के हृदय को भी गहराई से छुआ। आश्रम में विशेष आवश्यकता वाले किशोर लड़कों ने टीम का मुस्कुराहटों से स्वागत किया। टीम ने बच्चों से उनकी दिनचर्या, पढ़ाई, संगीत और खेल गतिविधियों के बारे में विस्तार से बातचीत की। एक बच्चे ने बताया मुझे सुबह भजन सुनना बहुत अच्छा लगता है, इससे मन शांत होता है। दूसरे ने मुस्कुराते हुए कहा मैं ढोलक बजाना सीख रहा हूँ गुरुजी कहते हैं कि मैं अच्छा सीख रहा हूँ। पढ़ाई के प्रति बच्चों की उत्सुकता देखते ही बनती थी। कई बच्चे कंप्यूटर सीखने की इच्छा रखते हैं, जबकि कुछ कविता और कहानियों में विशेष रुचि दिखाते हैं। खेल-कूद की सीमित क्षमताओं के बावजूद उनमें जो ऊर्जा और जज्बा दिखाई देता है, वह प्रेरणादायक है। प्रतिज्ञा फाउंडेशन द्वारा बच्चों को स्वल्प आहार प्रदान किया गया। यह केवल भोजन नहीं, बल्कि स्नेह और सम्मान का प्रतीक था। बच्चों का ÷धन्यवाद÷ कहना टीम के लिए भावनात्मक क्षण था। यह स्पष्ट था कि उन्हें प्रेम और अपनापन सबसे अधिक सुख देता है। फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से बच्चों की मुस्कुराहटों और प्रतिभा को समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया गया। डॉ. लक्ष्मी मीणा ने कह इन बच्चों में असीम संभावनाएँ हैं। बस हमें इन्हें प्रोत्साहन, समय और सही संसाधन देने होंगे।

आश्रम की आवश्यकताएँ और समाज का उत्तरदायित्व

संवाद के दौरान यह भी सामने आया कि आश्रम को व्हीलचेयर, शैक्षणिक सामग्री, फिजियोथेरेपी सुविधा और स्वयंसेवकों की अत्यंत आवश्यकता है। यह आवश्यकताएँ इस बात का संकेत हैं कि समाज यदि थोड़ा-सा सहयोग दे, तो इन बच्चों का जीवन कहीं अधिक उज्ज्वल हो सकता है।

सेवा का सार—हृदय को जोड़ने वाली कड़ी

प्रतिज्ञा फाउंडेशन और डॉ. मीणा का स्पष्ट संदेश है सेवा वस्तुओं का नहीं, भावना का दान है। बच्चों के साथ समय बिताना भी सबसे बड़ा सहयोग है।

अंत में—समाज के लिए एक प्रेरणा

इस विशेष दौरे ने एक ही सीख दी इन बच्चों की मुस्कान हमारी जिम्मेदारी भी है और हमारा सौभाग्य भी। समाज से अपील है कि वह आगे आए, इन बच्चों का हाथ थामे और उनके भविष्य की रोशनी में अपना योगदान दे।

वार्ड 71 में मंत्री विश्वास सारंग की अपील पर फॉर्म भरने की मुहिम तेज, पार्षद व भाजपा कार्यकर्ता मैदान में

भोपाल सांध्यप्रकाश। वार्ड 71 में इन दिनों सरकारी योजनाओं व जनसुविधाओं से जुड़े फिर फॉर्म भरने की प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है। क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री विश्वास सारंग की अपील के बाद भाजपा कार्यकर्ता और वार्ड की पार्षद श्रद्धा सुधीर दुबे स्वयं मैदान में उतरकर पूरे क्षेत्र में फॉर्म भरवाने का कार्य लगातार जारी रखे हुए हैं जानकारी के अनुसार पार्षद श्रद्धा दुबे वार्ड के सभी बूथों पर पहुंच कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रही हैं और सुनिश्चित कर रही हैं कि हर निवासी तक यह प्रक्रिया सरलता से पहुंचे। पार्षद एवं उनकी टीम अंकित दुबे लोकेश ,प्रकांत तिवारी, हरबिलास शर्मा दुर्गेश बेन, घर-घर जाकर नागरिकों को योजनाओं के लाभ के लिए फॉर्म भरने में सहयोग प्रदान कर रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि फॉर्म भरने में पार्षद और कार्यकर्ताओं द्वारा दी जा रही सक्रिय सहायता के कारण प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है। वहीं भाजपा संगठन भी वार्ड स्तर पर अभियान को मजबूत बनाने में जुटा है। वार्ड 71 में इस व्यापक अभियान से उम्मीद की जा रही है कि अधिक से अधिक नागरिक योजनाओं व सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे।

एसआईआर लोकतंत्र को मजबूत करने वाला जनअभियान हैः आलोक शर्मा

कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ एसआईआर में जुट जाएंः रविन्द्र यति

मध्य विधानसभा के अरेरा एवं शाहपुरा मंडल में बैठक संपन्न

सांसद आलोक शर्मा को मध्य और उत्तर विधानसभाओं की मिली जिम्मेदारी

भोपाल सांध्यप्रकाश। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद आलोक शर्मा ने गुरूवार को मध्य विधानसभा क्षेत्र के अरेरा एवं शाहपुरा मंडल में पहुंचकर एसआईआर से संबंधित कार्य की समीक्षा कर कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया। नेतागणों ने भाजपा के महापुरूषों के चित्रों पर माल?यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक को जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र यति एवं पूर्व विधायक श्री ध्रुवनारायण सिंह ने भी संबोधित किया।

भाजपा के सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि एसआईआर केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने वाला जन-अभियान है। पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर जाकर जनता को जागरूक करना होगा और उन्हें सही जानकारी उपलब्ध करानी होगी। यह अभियान 4 दिसंबर तक चलेगा और इस अवधि में सभी मंडल और बूथ समितियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़े।

इसके साथ ही विवाह के बाद परिवार में शामिल हुए नए सदस्यों के नामों को जोड़ना भी आवश्यक है, जिससे कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम सूची में दो स्थानों पर दर्ज है या वह बाहरी क्षेत्र का है, तो इस पर आपत्ति दर्ज कराकर सूची को शुद्ध किया जाए। उन्होंने कहा कि मात्र 6 दिन ही बचे है इसलिए कार्यकर्ता सभी काम छोडकर इस कार्य में जुट जाए। बैठक में बूथ अध्यक्ष हरिओम पंवार ने सांसद से शिकायत करते हुए कहा कि वार्ड के बीएलओ की सुस्ती के कारण एसआईआर की गति धीमी पड रही है। श्री शर्मा ने तत्काल एसडीएम से फोन पर चर्चा कर एसआईआर प्रक्रिया की गति बढाने का आग्रह किया। आलोक शर्मा ने वार्ड में निवासरत वरिष्ठ पदाधिकारियों को 5 वार्डों में पार्षदों के साथ एसआईआर की प्रक्रिया को पूर्ण करने की जिम्मेदारी भी सौंपी।

जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र यति ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। पार्टी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ इस अभियान को सफल बनाने में जुट जाएं। भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे एसआईआर की इस प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और संकल्प के साथ सफल बनाएं। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता से मतदाता सूची का शुद्धिकरण अभियान निश्चित रूप से सफल होगा और लोकतंत्र की ज?ं और अधिक मजबूत होंगी। भाजपा के पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एसआईआर अभियान में सक्रिय सहभागिता करें और मतदाताओं की पूरी मदद करें। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में बूथ स्तर तक पहुंचकर यह सुनिश्चित करे कि पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सही तरीके से जुड़े। बैठक में पूर्व सांसद आलोक संजर, मध्य विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, सुनील पांडे, हिरेंद्र बहादुर सिंह, अशोक सैनी, अरेरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित, शाहपुरा मंडल अध्यक्ष पीयूष सिसौदिया, जिला मंत्री अनिल पचौरी, सुरजीत सिंह चौहान, जिला मंत्री श्रीमती शक्ति दूबे, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, पयोज जोशी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित, पार्षद बाबूलाल यादव, अरविंद वर्मा, शिखा मोनू गोहल, स्नेहलता रघुवंशी, सुषमा बबीसा, भगवत रघुवंशी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी, पार्षदगण, मंडल पदाधिकारी, महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं अरेरा मंडल के सभी बूथों के बीएलओ-2 उपस्थित रहे।

श्री गुरुदेव दत्तात्रेय जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आज से 5 दिसंबर तक होंगे आठ दिवसीय कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री गुरुदेव दत्तात्रेय जन्मोत्सव को बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाने हेतु श्री गुरुदेव दत्तात्रेय मंदिर समिति द्वारा पिछले कई दिनों से व्यापक तैयारियां की जा रही है। श्री गुरुदेव दत्तात्रेय जन्मोत्सव के भव्य एवं दिव्य आयोजन के सम्बंध में विस्तृत जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष विश्वेन्द्र सिंह बैस ने बताया कि श्री गुरुदेव दत्तात्रेय जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मंदिर समिति द्वारा आठ दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है जो 28 नवंबर से 5 दिसंबर तक चलेंगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 28 नवंबर से प्रात: 8 बजे से प्रतिदिन श्री गुरुदेव दत्तात्रेय महाराज जी का पूजन अभिषेक किया जाएगा तत्पश्चात दोपहर 12 बजे से प्रतिदिन गुरु चरित्र कथा परायण एवं रात्रि 8 बजे राधाकृष्ण रामायण संकीर्तन मंडल द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे...29 नवंबर को रात्रि 8 बजे से खाटूश्याम जी के भजन कार्यक्रम की श्रृंखला आरम्भ होगी वहीं 2 दिसंबर को रात्रि 8 बजे से शिव तांडव ग्रुप सोनाखार द्वारा संगीतमय आरती की प्रस्तुति दी जाएगी इसके साथ ही 4 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे से श्री गुरुदेव दत्तात्रेय जन्मोत्सव एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा एवं 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से श्री गुरुदेव का लघु रुद्र अभिषेक,आरती एवं गोपालकाला के पश्चात भव्य पालकीयात्रा निकाली जाएगी एवं शाम 5 बजे से महाप्रसाद वितरण एवं भंडारे के साथ कार्यक्रमो का समापन होगा श्री गुरुदेव दत्तात्रेय मंदिर समिति के अध्यक्ष विश्वेन्द्र सिंह बैस एवं अन्य पदाधिकारियों ने समस्त जिलेवासियों से श्री गुरुदेव दत्तात्रेय जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित किये जा रहे।

उप प्राचार्य गजेन्द्र सिंह की किताबों का अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुआ विमोचन

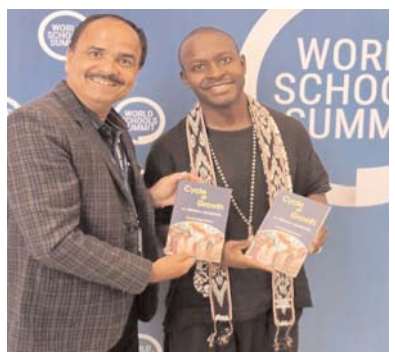

रतलाम सांध्यप्रकाश। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता शिक्षक और उप प्राचार्य गजेन्द्र सिंह राठौर ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर लेखन क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना ली है। वैश्विक संस्था टी फोर एजुकेशन द्वारा आयोजित वर्ल्ड स्कूल समिट 2025 के दौरान यस्मिना ब्रिटिश अकादमी, अबू धाबी में उनके दो प्रमुख पुस्तकों का विमोचन हुआ। खास बात यह रही कि टी फोर एजुकेशन के संस्थापक विकास पोटा और ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार, लेखक और निमार्ता थेरॉन नेफ-यू फिमस्टर ने उनकी दो पुस्तकों - ग्रों विद ग्रेस- फील सेफ वेल्यूड और सायकल ऑफ ग्रोथ-फ्रॉम साइलेंस टू सिम्फनी का वैश्विक विमोचन किया। सायकल ऑफ ग्रोथ में गजेंद्र सिंह ने बताया है कि कैसे रतलाम के सरकारी स्कूल ने केवल दो साल में अपनी चुनौतियों को पार कर विश्व विजेता बनने की यात्रा तय की। यह पुस्तक प्रबंधन, नेतृत्व और टीम निर्माण के अनोखे मॉडल–जैसे सायकल ऑफ ग्रोथ और ब्रूडिंग इफेक्ट–को विस्तार से प्रस्तुत करती है। इसमें स्कूल की यात्रा की सच्ची कहानियां हैं। दूसरी किताब ग्रों विद ग्रेस-फील सेफ वेल्यूड, में स्कूल प्रबंधन और शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर गजेन्द्र सिंह के अनुभव और विभिन्न नवाचारी मॉडल प्रस्तुत हैं। यह पुस्तक बच्चों, शिक्षकों और स्कूलों को विश्व स्तर पर शिक्षा के नए दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करती है,जिनमें कई मॉडल्स को भारत सरकार के कॉपीराइट विभाग द्वारा पूर्व में ही मान्यता मिल चुकी है। दोनों पुस्तकों को पगडंडी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया गया है। दोनों ही पुस्तकें स्थानीय तथा ऑनलाईन कई प्लेटफार्म पर छपी हुई प्रति, ई-बुक आदि में उपलब्ध है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिला सम्मान

गजेन्द्र सिंह ने सम्मेलन के दौरान ब्राजील, अमेरिका और दुबई के प्रमुख शिक्षाविदों के साथ पैनल चर्चा में भाग लिया। उनके सत्र में 119 रजिस्ट्रेशन हुए, और वे अलग-अलग देशों के शिक्षाविदों के साथ ऑनलाइन शिक्षा और वैश्विक शिक्षा मॉडल पर संवाद कर चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय समापन समारोह में टी फोर एजुकेशन के संस्थापक विकास पोटा ने अचानक गजेन्द्र सिंह का नाम लेते हुए उन्हें पूरी दुनिया के शिक्षा नीति निमार्ताओं और शिक्षाविदों के बीच इनोवेटर के रूप में पेश किया। इस क्षण ने न केवल गजेन्द्र सिंह बल्कि समूचे मध्यप्रदेश को भी 100 से अधिक देशों में पहचान दिलाई। गजेन्द्र सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा आज दुनिया के 100 देशों के लोग मुझे भारतीय के रूप में और मेरे सान्दीपनि विद्यालय को भारत की मजबूत शिक्षा के लिए जानते हैं। यह केवल मेरी उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे रतलाम, हमारे शिक्षक साथियो और लीडरशिप टीम की मेहनत का परिणाम है।

शिक्षा और संगीत का संगमः विश्व प्रसिद्ध ग्रैमी विजेता थेरॉन फिमस्टर जिन्होंने किताब का विमोचन किया, बल्कि अपने अनुभव और संगीत के माध्यम से शिक्षा में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और वैश्विक नागरिकता का संदेश भी छात्रों और शिक्षकों तक पहुँचाया। गजेन्द्र सिंह ने सम्मेलन के बाद अगले दिन शाइनिंग स्टार इंटरनेशनल स्कूल, अबू धाबी में 500 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को प्रेरित किया। उन्होंने आजीवन शिक्षा, वैश्विक नागरिकता और व्यक्तिगत क्षमता का पूर्ण उपयोग विषयों पर व्याख्यान दिया।

पुस्तक को पढ़ने वाले कई ख्यात शिक्षाविदों ने समीक्षा में कहा कि दोनों पुस्तकें शिक्षा और स्कूल प्रबंधन के क्षेत्र में वास्तविक अनुभवों और प्रभावी मॉडल का संग्रह हैं। पाठक इन पुस्तकों से न केवल वैश्विक शिक्षा दृष्टिकोण सीखेंगे, बल्कि अपने स्कूल या करियर में व्यवहारिक बदलाव भी ला सकते हैं। साईकल आफ ग्रोथ दर्शाती है कि भारत के शिक्षक भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में चमक सकते हैं।

तारण जयंती पर निकली जिनवाणी पालकी शोभा यात्रा, हुए अनेक कार्यक्रम

मरकावाड़ा में वेदी प्रतिष्ठा 27 28 29 मार्च को

अमरवाड़ा। धर्मनगरी में 16वीं शताब्दी के महान आध्यात्म वादी श्रीमद् जिन तारण तरण मंडलाचार्य जी महाराज की 577 वीं जन्म जयंती अखिल भारतीय तारण तरण जैन समाज ने बड़े धूमधाम के साथ गुरुवार को मनाई इसी श्रृंखला में अमरवाड़ा जैन मंदिर में तारण जयंती के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें सुबह 7 बजे देवांगली पूजा 8बजे से तारण झंडा वंदन, 9 बजे से श्री जिनवाणी पालकी शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के मुख्य मार्ग आजाद वार्ड शहीद चौक गंज बाजार सुभाष वार्ड से निकली जहां जैन समाज के सभी लोगों ने बड़े भक्ति भाव के साथ मां जिनवाणी की आरती की और शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया साथ ही मंदिर पहुंचने के बाद श्री संगीत मय मंदिर विधि, श्री जिनवाणी पालन झूलना आरती प्रसाद चंदन संपन्न हुआ वही तारण भवन में अल्पाहार आयोजित किया गया और शाम को महिला मंडल के द्वारा संगीत में आरती भक्ति भजन आयोजित किए गए।

नियमित योग और हास्यासन से आत्मबल स्फूर्ति और आनंद अपने आप जागृत हो जाते हैं: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल सांध्यप्रकाश। प्रेरणादायक संदेश - नियमित योग साधकों के लिए - स्वर्ण जयंती पार्क, कोलार रोड, भोपाल के शांत वातावरण में जलकुंड के पास बहती नदी की कल-कल ध्वनि, पक्षियों के मधुर गीत और सूर्योदय की स्वर्णिम किरणें योग साधकों के चेहरे को ऊर्जा व ओज से भर देती हैं। ऐसे दिव्य प्राकृतिक वातावरण में नियमित रूप से योग अभ्यास करने वाले साधकों का समूह, योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रतिदिन आत्मशक्ति, स्फूर्ति और आंतरिक शांति प्राप्त करता है। योगाभ्यास के पश्चात जब सभी साधक हास्यासन करते हैं, तो वह सिर्फ हंसी नहीं होती–वह तनाव का विसर्जन, मन की शुद्धि और आत्मा का उल्लास होता है। नियमित अभ्यास से न सिर्फ शरीर बलवान होता है, बल्कि आत्मबल, धैर्य, सकारात्मकता और मानसिक संतुलन भी बढ़ता है। हास्यासन से चेहरे पर ताजगी, मन में हल्कापन, हृदय में प्रसन्नता और संपूर्ण शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। यह अभ्यास साधकों को यह संदेश देता है कि जीवन में मुस्कान सबसे बड़ा उपचार है। नियमित योग, प्राणायाम और हास्यासन - इन तीनों का संगम जीवन में स्फूर्ति, आनंद, आत्मविश्वास और स्वस्थ्य चेतना का सतत स्रोत बन जाता है। जो प्रतिदिन योग करता है, वह प्रतिदिन नया जीवन जीता है।

बैरसिया में पुतला दहन कर बर्खास्तगी की उठी मांग

आईएएस संतोष वर्मा के बयान पर ब्राह्मण समाज आक्रोशित

बैरसिया सांध्यप्रकाश। अजाक्स के प्रांतीय सम्मेलन में आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों को लेकर कथित रूप से अभद्र टिप्पणी किए जाने के बाद पूरे प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में रोष व्याप्त है। इसी मुद्दे को लेकर गुरुवार को सर्व ब्राह्मण परिषद, सर्व ब्राह्मण महिला परिषद तथा परशुराम सेना बैरसिया के संयुक्त नेतृत्व में विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। सर्व ब्राह्मण परिषद बैरसिया के अध्यक्ष जगदीश गुदेनिया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग रेंज चौराहा से रैली निकालकर बस स्टैंड चौराहा पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने संतोष वर्मा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया। इसके पश्चात समाज के प्रतिनिधि तहसील कार्यालय पहुंचे, जहाँ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर आईएएस संतोष वर्मा को बर्खास्त करने और कठोर कार्रवाई की मांग की गई।प्रदर्शन के बाद समाज के सैकड़ों लोग थाना बैरसिया पहुंचे और आरोप लगाया कि संतोष वर्मा के कथित बयान से प्रदेश की शांति व्यवस्था भंग हुई है तथा जनभावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारी के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की।ज्ञात हो कि 23 नवंबर 2025 को भोपाल में आयोजित अजाक्स के प्रांतीय सम्मेलन में पदभार ग्रहण करते समय आईएएस संतोष वर्मा द्वारा विवादित टिप्पणी किए जाने की बात सामने आई थी। सोशल मीडिया पर बयान सामने आने के बाद से ही विभिन्न संगठनों ने इसकी कड़ी निंदा की है। ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की है कि आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अधिकारी पर सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें शासकीय सेवा से बर्खास्त किया जाए। समाज ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर कठोर कदम नहीं उठाए गए तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग, नगर के प्रबुद्धजन तथा मातृ शक्ति मौजूद थी।

भोपाल। गुजरात के सारंगपुर हनुमान मंदिर के दर्शन।

बिजली की बर्बादी हो रही है

सावरकर सेतु हबीबगंज नाका भोपाल सुबह से स्ट्रीट लाइटें जल रही हैं इससे भी पर्यावरण को बहुत नुकसान होता है हमारा पैसा बर्बाद होता है इसे बंद कराया जाए. बिजली की बचत बिजली का उत्पादन पर्यावरण की रक्षा।

उज्जैन से होने वाला प्रसारण आकाशवाणी के इतिहास में लिखेगा नई इबारतः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन के आकाशवाणी केन्द्र का लोकार्पण

भोपाल सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह आकाशवाणी का उज्जैन केन्द्र है, ऐसा सुनने की हसरत अब जाकर पूरी हुई है। आकाशवाणी का भवन तैयार था, परंतु प्रसारण की मंजूरी के कारण अटका था। मंजूरी मिलने के मात्र 6 माह में उज्जैन के आकाशवाणी केंद्र से प्रसारण प्रारम्भ हो गया है। यह प्रदेश का 20वां आकाशवाणी केन्द्र है। इस केंद्र से निकले एक-एक शब्द उज्जैन और सिंहस्थ की प्रतिष्ठा होंगे। आकाशवाणी के कार्यक्रम, इसकी प्रस्तुति गांव-गांव तक उज्जैन और सिंहस्थ की महिमा पहुंचाएगी। मुझे विश्वास है कि आकाशवाणी अपना यह दायित्व, पूर्ण निष्ठा के साथ निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनोरंजन के साथ आकाशवाणी ने समाज सेवा और जन-जागरूकता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्जैन से होने वाला प्रसारण आकाशवाणी के इतिहास में नई इबारत लिखकर चार चांद लगाएगा। यहां रोजाना सुबह 5.55 बजे से प्रारंभ होकर रात 11 बजे तक लगातार प्रसारण जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन में आकाशवाणी उज्जैन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उज्जैन जिले को भी सौगातें दी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से उज्जैन जिले के लिए करीब 179 करो? की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 55 करोड़ 27 लाख की लागत से महाराजवाड़ा में तैयार सांदीपनि स्कूल का एवं 30 करोड़ 21 लाख की लागत से उज्जैन रेलवे ओवर ब्रिज का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न मार्गों के निर्माण और उन्नयन कार्य, 32 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत से शासकीय धनवंतरी आयुर्वेदिक महाविद्यालय में 250 सीटर बालक और बालिका छात्रावास का निर्माण, 8 करोड़ 37 लाख की लागत से रेप्टाइल पार्क एवं स्नेक पार्क तथा करीब 3 करोड़ की लागत से हाईटेक नर्सरी के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से उपचार और इसके प्रचार-प्रसार के मामले में सिरमौर है, इसलिए उज्जैन में आयुर्वेद का एम्स बनाने की दिशा में भी हम केन्द्र सरकार को अपना प्रस्ताव भेजेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगरवासियों को आकाशवाणी केंद्र के शुभारंभ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उज्जैन के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण हैं। यहां के लोगों के कान अपने आकाशवाणी केंद्र की आवाज सुनने को तरस गए थे। यह स्वप्न प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन के प्रयासों से पूरा हो रहा है। उज्जैन की हवा में बाबा महाकाल की भक्ति और शक्ति निरंतर रहती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली रही है। उज्जैन के कण-कण में सम्राट विक्रमादित्य का गौरव महसूस होता है। वे आज भी हमारे आदर्श हैं। यह आकाशवाणी केन्द्र उज्जैन के लिए देववाणी और महालोक वाणी बनेगा। उन्होंने कहा कि 2028 में सिंहस्थ आने वाला है। युवाओं, कलाकारों ने अपनी तैयारियां कर ली हैं। उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण का शिक्षा आश्रम है। राज्य सरकार श्रीकृष्ण से जुड़े सभी लीला स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करेगी। एक दिसंबर को पूरे प्रदेश में धूमधाम से गीता जयंती मनाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आकाशवाणी ने कला-संस्कृति, शिक्षा-स्वास्थय, जनजागरुकता और कृषि समेत हर क्षेत्र के संरक्षण और संवर्धन में अपना अद्वितीय योगदान दिया है। आकाशवाणी ने रंगकर्मियों और विभिन्न कलाधर्मियों को भी सुनहरा मंच दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन शहर से कनेक्टिविटी, ट्रैफिक की सुगमता के लिए सड़कों का चौड़ीकरण, उन्नयन हम युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। उज्जैन नगरी और बाबा महाकाल की महिमा श्रद्धालुओं को रोचक तरीके से पहुंचाने के लिए रुद्रसागर पर वाटर स्क्रीन प्रोजेक्शन एवं म्यूजिकल फाउंटेन-शो की शुरुआत भी हमने की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आकाशवाणी उज्जैन सिंहस्थ के जीवंत प्रसारण का इतिहास लिखेगा और यहां से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम उदाहरण बनेंगे।

मालवी बोली में भी होगा समाचारों का प्रसारणः केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. मुरूगन

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने हिंदी भाषा में संबोधित करते हुए कहा कि आज से आकाशवाणी उज्जैन अपने द्वारा बनाए कार्यक्रमों का प्रसारण प्रारंभ कर रही है। यह एक फुल फ्लेश आकाशवाणी केन्द्र है। मध्यप्रदेश में उज्जैन को मिलाकर अब आकाशवाणी के 20 केंद्र संचालित हो रहे हैं। उज्जैन केंद्र युवाओं के रोजगार और प्रसारण कौशल के प्रशिक्षण के माध्यम बनेगा। साथ ही यह मालवा की संस्कृति, लोक कलाओं, स्थानीय व्यंजनों एवं स्थानीय बोलियों को नई पहचान दिलाएगा। आकाशवाणी केंद्र से मालवी बोली में समाचारों का प्रसारण भी किया जाएगा।

इस अवसर पर कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर, महापौर उज्जैन श्री मुकेश टटवाल, श्री संजय अग्रवाल, आकाशवाणी के महानिदेशक श्री राजीव कुमार जैन, आकाशवाणी के रीजनल मैनेजर यशवंत चिवंडे, आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रभारी राजेश भट्ट, आकाशवाणी उज्जैन की कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती अनामिका चक्रवर्ती, कृष्ण दास, सहित जनप्रतिनिधि, नागरिक एवं आकाशवाणी परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

नई दिल्ली। अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्राप्त ऐतिहासिक एवं प्रचंड विजय के उपरांत नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह सह प्रीतिभोज में समस्त प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ सहभागी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस प्रतिष्ठित एवं प्रेरणादायी आयोजन में गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी. एल. संतोष, बिहार भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवा, बिहार के उप-मुख्यमंत्री द्वय सम्राट चतुर्वेदी एवं विजय कुमार सिंह, केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित अनेक मंत्रीगण एवं विशिष्ट महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति अत्यंत उत्साहवर्धक रही।

बैठक लेकर बोले भाजपा नेता, एसआईआर अभियान को आंदोलन बनाकर हर कार्यकर्ता मैदान में उतरें

भोपाल सांध्यप्रकाश। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व एसआईआर के राष्ट्रीय संयोजक तरुण चुघ, पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने गुरूवार को एसआईआर को लेकर उज्जैन भाजपा कार्यालय में उज्जैन एवं मंदसौर संभाग की संभागीय बैठक एवं इंदौर भाजपा कार्यालय में इंदौर एवं निमाड़ संभाग की संभागीय बैठक को संबोधित किया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं एसआईआर अभियान के राष्ट्रीय संयोजक तरुण चुघ ने बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर का पहला चरण समापन की ओर है और आने वाले कुछ दिन अत्यंत निर्णायक हैं। पार्टी का मुख्य लक्ष्य मतदाता सूची का शत-प्रतिशत शुद्धिकरण है और एक भी वैध मतदाता का नाम छूटना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अन्याय होगा, इसलिए कार्यकर्ताओं को घर-घर पहुँचकर तथा वार्ड स्तर पर टीम बनाकर कार्य करना है। जहाँ भी बाहरी या संदेहास्पद मतदाता दिखाई दें, वहाँ तुरंत औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जाए ताकि सूची पूर्ण रूप से पारदर्शी और विश्वसनीय बने। एसआईआर अभियान केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि संगठन की जमीनी पकड़ और जनता से जुड़ाव को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। सभी कार्यकर्ता अंतिम चरण तक पूरी सतर्कता, समर्पण और ऊर्जा के साथ फील्ड में सक्रिय रहें, ताकि पार्टी का लक्ष्य सफलता के साथ प्राप्त हो। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर ने बैठकों में कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि पार्टी की जमीनी मजबूती, संगठन की पहचान और मध्यप्रदेश में निरंतर जनता की सेवा का सुनहरा अवसर है।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ आईएएस अविनाश लवानिया कार्य मुक्त, मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी के एमडी का प्रभार विशेष गढ़पाले को

भोपाल सांध्यप्रकाश। केंद्र सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2009 बैच के आईएएस अधिकारी अविनाश लवानिया प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर की सेवाएं निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग नई दिल्ली के पद पर प्रतिनियुक्ति पर सौंपी है।इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि अविनाश लवानिया के कार्य मुक्त होने पर 2008 बैच के आईएएस अधिकारी सचिव ऊर्जा विभाग विशेष गढ़पाले को अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर का प्रभार अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है।

13 आईएएस अफसरों की नई पदस्थापना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया है। 13 आईएएस अफसरों की नई पदस्थापना आदेश जारी किए गए है। आदेश के मुताबिक,आईएएस शिखा राजपूत तिवारी को छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।

कोहेफिजा क्षेत्र में खुलेआम तलवारबाजी, युवक की चार उंगलियां काटी, 3 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल सांध्यप्रकाश। राजधानी भोपाल के कोहेफिजा थाना क्षेत्र में गा?ी टकराने के बाद चार-पांच बदमाशों ने मिलकर एक युवक पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में आरोपियों ने युवक के हाथ की चार उंगलियां को काट दिया। उंगलियां चाकू लगने से कटी हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर पहले एक आरोपी फिर दो आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार लिया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। बीच सड़क पर तलवार और चाकूबाजी ने भोपाल में कानून-व्यवस्था को लेकर फिर सवार खड़े कर दिए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब बुधवार शाम को ही पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से भोपाल पुलिस आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त बनाने के सख्त निर्देश दिए थे। कोहेफिजा थाना प्रभारी के जी शुक्ला के अनुसार बुधवार-गुरूवार की दरमियानी देर रात खानूगांव के पास कार सवार बदमाशें ने एक्टिवा के साथ खड़े एक युवक को टक्कर मार दी। स्कूटर सवार युवक ने जब विरोध जताया कि कार से पांच बदमाश मिलने और तलवार से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट का यह घटनाक्रम पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पुलिस ने 21 वर्षीय हुजैफा की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की और एक आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने पहले टीला जमालपुरा निवासी रफीक अली को पकड़ा। उसके बाद इमरान उर्फ अरबाज को गिरफ्तार कर हमले में प्रयुक्त तलवार को जब्त कर लिया है। पुलिस ने गुरूवार को एक और आरोपी को धर दबोचा। इस तरह तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं। दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। फरियादी हुजैफा को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

कलेक्टर ने सौंपा पत्र, परिवार को मिला सहारा

ड्यूटी पर मृत बीएलओ के बेटे को 5 दिन में मिली अनुकंपा नियुक्ति

दमोह सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश के दमोह में प्रशासनिक सक्रियता की एक अनूठी मिसाल सामने आई है। यहां चुनाव से जुड़े काम के दौरान मृत हुए एक बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के बेटे को महज पांच दिनों के रिकॉर्ड समय में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है। सोमवार को कलेक्टर सुधीर कोचर ने खुद मृतक के बेटे अंकेश गोंड को नियुक्ति पत्र सौंपा।

इतनी तेजी से हुई इस कार्रवाई को दमोह जिले के लिए एक ऐतिहासिक घटना माना जा रहा है, जहां अमूमन अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रियाओं में महीनों लग जाते हैं। ड्यूटी पर मृत व्यक्ति के बेटे को 5 दिन में मिली अनुकंपा नियुक्ति, कलेक्टर ने सौंपा पत्र, परिवार को मिला सहारा

ड्यूटी के दौरान बिगड़ी थी तबीयत

जानकारी के अनुसार, जिले के पठारी में पदस्थ शिक्षक सीताराम गोंड की ड्यूटी एसआईआर कार्य में लगी थी। बीते 22 नवंबर को काम के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई, जिससे प्रशासनिक महकमे में भी हलचल मच गई। गोदामों से अनाज चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो चोर गिरफ्तार 90 बोरी गेहूं जब्त, 5 आरोपियों की तलाश

कलेक्टर ने निभाया वादा, समय से पहले दी नौकरी: घटना की जानकारी मिलते ही दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर उसी दिन मृतक सीताराम गोंड के घर पहुंचे थे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया था। कलेक्टर ने घोषणा की थी कि 30 नवंबर से पहले मृतक के आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति दे दी जाएगी।

प्रशासन ने अपने वादे को समय सीमा से पहले ही पूरा कर दिखाया। 27 नवंबर को कलेक्टर कार्यालय में उनके चैंबर में अंकेश गोंड को चपरासी (प्यून) के पद पर नियुक्ति का पत्र सौंप दिया गया।

परिवार को मिला बड़ा सहारा

पिता की आकस्मिक मृत्यु से टूटे परिवार के लिए यह नियुक्ति एक बड़ा सहारा बनकर आई है। प्रशासन ने न केवल बेटे को सरकारी नौकरी दी, बल्कि मृतक बीएलओ की बेटी राधा गोंड को भी निजी क्षेत्र में नौकरी दिलाने की पहल की जा रही है, ताकि परिवार को आर्थिक रूप से और मजबूती मिल सके। इस त्वरित कार्रवाई ने संकटग्रस्त परिवार को बड़ी राहत दी है।

सपाक्स ने बोला हल्ला, संतोष वर्मा की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी, बैठक में बड़ा फैसला

भोपाल सांध्यप्रकाश। सपाक्स पार्टी की आज हुई विशेष बैठक में आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर गहरा विरोध दर्ज किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक संतोष वर्मा के विरुद्ध FIR दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक संघर्ष तेज गति से जारी रहेगा।

बैठक में मौजूद सपाक्स पार्टी के राष्ट्रीय की राष्ट्रीय अध्यक्ष वीणा घाणेकर ने बताया कि संतोष वर्मा के बयान से समाज में गहरी नाराज़गी है और यह मामला केवल एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे सामाजिक सद्भाव का है। उन्होंने कहा कि यदि शासन आरोपी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं करता, तो हम प्रदेशभर में उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी कहा गया कि आरोपी अधिकारी पर धारा 308 सहित अन्य धाराओं में तुरंत प्रकरण दर्ज हो सेवामुक्ति (निलंबन) की कार्रवाई की जाए। सामाजिक संगठनों को एकजुट कर बड़े स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। सपाक्स पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि तीन दिनों के भीतर सरकार कोई कदम नहीं उठाती है, तो संगठन ब्राह्मण समाज, सपाक्स परिवार और अन्य सामाजिक संगठनों को साथ लेकर राजधानी से लेकर सभी जिलों में प्रदर्शन करेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से भी संदेश दिया गया कि संतोष वर्मा को संरक्षण दिए जाने पर शासन को सार्वजनिक जवाब देना होगा। सुरेश शुक्ला ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग की कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई की जाए, अन्यथा बड़ा जनांदोलन खड़ा होगा।

वायु गुणवत्ता बनाए रखने 30 नवंबर तक करें कार्य-योजना प्रस्तुतः मुख्य सचिव

राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की हुई बैठक

प्रदूषण रोकने के लिए जन-जागरूकता पर भी जोर

भोपाल सांध्यप्रकाश। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख 7 नगरों में उच्च वायु गुणवत्ता स्तर बनाए रखने के लिए मौजूद समय के साथ ही दीर्घकालीन कार्ययोजना 30 नवम्बर तक प्रस्तुत करने के निर्देश पर्यावरण संरक्षण और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। मंत्रालय में बुधवार को नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम की राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में वन और पर्यावरण, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन एवं विकास, गृह, औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, परिवहन आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वी.सी के माध्यम से भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, सागर तथा देवास के कलेक्टर, एस पी, और नगर निगम के आयुक्त भी सम्मिलित हुए। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि राष्ट्रीय क्लीन एयर प्रोग्राम के मापदंडो के अनुरूप दिल्ली जैसे महानगरों में प्रदूषण के स्तर को कम कर वायु गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किए जाने वाले उपायों को केंद्र में रखकर प्रमुख विभागों का एक एक्सपर्ट ग्रुप बनाएं और लघु तथा दीर्घ कालीन कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। मुख्य सचिव ने पराली जलाने की घटनाओं को भविष्य में भी रोकने के प्लान के अलावा वाहनों, निर्माण कार्यों और कचरे आदि में आग लगाने जैसी प्रवृत्तियों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए पृथक-पृथक एक्शन प्लान बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि स?कों की धूल रोकने के लिए उनकी मरम्मत आदि करने के साथ गुणवत्ता बनाए रखने पर ध्यान दें। गुणवत्ता विहीन सड़कों के निर्माण के लिए अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्यवाही की जाए।

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि जिन शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर ठीक नहीं है, उनका पूरा ध्यान वायु गुणवत्ता को औसत मानक 100 से नीचे होना चाहिए। नगर निगम ध्यान दें कि कचरा जलाने पर शत-प्रतिशत रोक हो, निर्माण कार्यों से धूल न उठे और स?कों का सुधार और पुनर्निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ करें। उन्होंने अलाव-तंदूर जैसे कारकों को इलेक्ट्रिक किया जाए।

सफलता की राह में सबसे बड़ा रोड़ा सशंकित मन है

श्रीमद्भागवत गीता के अठारह अध्यायों के बारे में श्रीविष्णु लक्ष्मी से कहते हैं- 'गीता के पांच अध्याय मेरे मुख हैं, दस अध्याय मेरी भुजा हैं, सोलहवां अध्याय मेरा हृदय, मन और उदर है। सत्रहवां अध्याय मेरी जंघा है। अठारहवां अध्याय मेरे चरण हैं। गीता के श्लोक मेरी नाड़ियां हैं। गीता के अक्षर मेरा रोम-रोम हैं।' गीता के अठारह अध्यायों में पहला अध्याय है- अर्जुन विषाद योग। इसमें उन परिस्थितियों और पात्रों के संबंध में कथन है, जिनकी वजह से कौरवों-पांडवों के बीच महाभारत का संग्राम हो रहा था। इस अध्याय में उन कारणों का वर्णन है, जिसकी वजह से श्रीकृष्ण को गीता का उपदेश देना पड़ा। मोहग्रस्त अर्जुन जब कृष्ण के समक्ष पूर्ण रूप से आत्मसमर्पण करते हैं, तो अर्जुन को गीता का ज्ञान होता है। सांख्य योग भगवद्गीता का दूसरा अध्याय है। यह अध्याय सबसे महत्वपूर्ण भी है, क्योंकि इस अध्याय में संपूर्ण गीता के उपदेशों का सार है। इसमें अर्जुन का कृष्ण के सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण है। वे श्रीकृष्ण को अपना गुरु, अपना मार्गदर्शक स्वीकार कर लेते हैं। इसमें दुखों के मूल कारणों की विस्तार से व्याख्या है। निष्काम कर्म की व्याख्या इस अध्याय का एक अन्य प्रमुख बिंदु है। फल की आसक्ति किए बिना कर्म करना ही एक सच्चे कर्मयोगी के लक्षण हैं।

संपादकीय

खाद के लिए इतना संघर्ष...!

खाद की लाइन में तीन दिन लगी महिला, मौत...। रात-रात भर लाइन में लगना पड़ रहा है खाद के लिए। खाद केंद्रों के पास लोगों को सोना पड़ रहा है...। हंगामे की खबरें तो जैसे आम हो गई हैं। जब प्रदेश में खाद की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है, जैसा कि सरकार का दावा है, फिर ये नौबत क्यों आ रही है? और क्यों मुख्यमंत्री को खुद बार-बार आनलाइन बैठक बुलाकर खाद वितरण व्यवस्था दुरस्त करने के लिए कहना पड़ रहा है?

ताजा खबर बमौरी के बागेरी डबल लॉक खाद वितरण केंद्र पर यूरिया लेने के लिए रात में ही लाइन में लगी एक आदिवासी महिला की मौत की आई है। इस हादसे ने जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता और वितरण व्यवस्था के सरकारी दावों की पोल खोलकर रख दी। जानकारी के अनुसार कुशेपुर गांव में सहरियाओं के शिकारी के टपरों में रहने वाली भूरी बाई पत्नी गजराज सिंह तीन दिन से खाद लेने के लिए जा रही थी। तबीयत बिगड़ने के बाद महिला को बमोरी स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल लाने के लिए एंबुलेंस तक नहीं मिली। जब जिला अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया तो वहां से वापस गांव जाने के लिए भी शव वाहन नहीं मिला। महिला का पीएम भी नहीं कराया गया है जिससे मौत का सही कारण सामने आ सके।

खाद को लेकर तीन-तीन दिन लाइन में लगने की खबरें तो लंबे समय से कई जिलों से आ रही हैं। खाद विक्रय केंद्रों में रात भर लोगों के सोने के फोटो भी लगातार आ रहे हैं। और दूसरी तरफ खाद की कालाबाजारी की खबरें भी आ रही हैं। आज ही खबर आई है, जिसमें भिंड जिले में खाद संकट के बीच लहार क्षेत्र के डबल डैक खाद गोदाम में बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। सहकारी विपणन संघ की शिकायत पर जांच में पाया गया कि गोदाम से 8 लाख 34 हजार रुपए से अधिक मूल्य की खाद बिना किसी अनुमोदन और बिना वितरण रिकॉर्ड के गायब है। लहार थाना पुलिस ने गबन का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऐसी तमाम खबरों के बीच एक बार फिर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को देर रात कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक ली। उन्होंने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा है कि जिलों में खाद का संकट नहीं होना चाहिए और खाद के लिए लाइन लगने की शिकायत नहीं आनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने फिर से निर्देश दिये कि किसानों को कहीं भी खाद की समस्या ना हो, उचित प्रबंधन करें। वितरण की व्यवस्था सुधारने पर ध्यान दें। खाद लेने के लिए अधिक देर लाइन में लगने की नौबत न आए। ऐसी व्यवस्था बनाएं। किसी किसान को दिक्कत नहीं आनी चाहिए। गांवों से शहरों में या केंद्रों में खाद क्रय करने आए किसान बंधुओं के लिए भी शीतकाल से बचाव के आवश्यक उपाय करें।

आखिर ऐसा क्यों हो रहा है कि मुख्यमंत्री के बार-बार निर्देशों और चेतावनी के बाद भी खाद वितरण की व्यवस्था सही नहीं हो पा रही है। जब प्रदेश में पर्याप्त खाद आ रही है, तो उसका वितरण क्यों नहीं हो पा रहा है? किसान क्यों खाद के लिए लंबी लाइनों में लगेगा? क्यों वितरण केंद्रों के पास रात भर रुकेगा? तीन-तीन दिन कतारों में लगने का शौक है क्या किसानों को? कहीं तो गड़बड़ है। इसमें सुधार क्यों नहीं हो पा रहा है?

सवाल खाद की आपूर्ति का भर नहीं है, मुद्दा यह है कि समय पर किसान को खाद मिल जाए। जब खेतों को खाद की जरूरत है, तब मिले तो ही उसका लाभ मिलेगा, नहीं तो फसल खराब होना तय है। तो फिर कृषि विभाग और सहकारिता विभाग क्या कर रहा है? कलेक्टर की तो पूरे जिले की जिम्मेदारी होती है, पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारी क्या करते हैं? उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? क्यों खाद वितरण केंद्रों और निजी दुकानों की जांच नहीं होती? क्यों यह पता नहीं किया जाता कि खाद आई तो कहां गई? दुकान पर या सहकारी केंद्रों पर? सही दिशा में काम नहीं हो रहा है, ऐसा लग रहा है। मुख्यमंत्री को कृषि और सहकारिता विभाग पर लगाम कसनी होगी, तभी कुछ हो पाएगा, नहीं तो ऐसा ही चलता रहेगा।

अधिकारियों की मौतों ने बढ़ाई चिंता

एसआईआर अब राजनीति से ज्यादा मानवीय समस्या बन गई है..

अजय बोकिल

चुनाव आयोग द्वारा देश के 12 राज्यों और तीन केन्द्र शासित प्रदेशों में करीब एक माह से कराए जा रहे मतदाताओं के एसआईआर (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) का मुद्दा अब राजनीतिक से ज्यादा मानवीय होता जा रहा है। एसआईआर के सियासी विरोध को अलग रखे तो भी इस समूची प्रक्रिया में पूरे देश में अब तक 25 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की (तृणमूल कांग्रेस के मुताबिक 34) मौतें सचमुच चिंता पैदा करने वाली हैं और यह एसआईआर की प्रक्रियागत खामी की ओर इशारा करती है।

दुख की बात तो यह है कि एसआईआर में लगे कुल जितने बीएलओ की मौतें हुई हैं, उनमें सबसे ज्यादा 9 उस मध्यप्रदेश के हैं, जहां सत्तारूढ़ दल भाजपा पूरी तरह एसआईआर के पक्ष में है। इस बीच एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च अदालत ने एसआईआर जारी रखने को हरी झंडी दे दी है, लेकिन चुनाव आयोग को .इस बात पर संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए कि इस प्रक्रिया में शामिल बीएलओ एक के बाद एक जानें क्यों गंवा रहे हैं? इनमें भी उन बीएलओ के बारे में समझा जा सकता है कि जो पहले से बीमार हैं, लेकिन जो काम के दबाव को सहन न करने के कारण खुदकुशी कर रहे हैं, वह तो बहुत ही दर्दनाक और अमानवीय है। आखिर एक वैधानिक प्रक्रिया को समय पर पूरा न कर पाने के अवसाद के कारण कोई कैसे फांसी लगाकर अपने परिवार को अनाथ होने दे सकता है? क्योंकि काम समय पर पूरा न करने पाने की अधिकतम सजा सस्पेंशन ही है।

जाहिर है कि यह कदम उसने गहरे डिप्रेशन और हताशा में ही उठाया होगा। इस बीच चुनाव आयोग ने बीएलओ का मानदेय बढ़ाकर दो गुना कर ?दया है, लेकिन इसका भी कोई सकारात्मक असर होता नहीं दिख रहा है। जानकारों का मानना है कि बीएलओ पर काम समय पर निपटाने का अत्यधिक दबाव है और समयावधि कम है। और आयोग समयावधि बढ़ाने के लिए तैयार नहीं है। इसके पीछे कौन-

सी जिद है, यह समझना मुश्किल है। जबकि इसके पूर्व 2003 में जो देशव्यापी एसआईआर हुआ था, वह प्रक्रिया 6 माह में पूरी हुई थी। तब न तो कहीं विरोध हुआ था और और न ही कोई खुदकुशी सामने आई थी।

जहां तक एसआईआर को रोकने की बात है तो सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर ?दया है कि चुनाव आयोग को इसका वैधानिक अधिकार है। आयोग को यह अधिकार संविधान के अनुच्छेद 324 की धारा 21 के तहत मिला हुआ है। 1952 से अब तक देश में 13 बार एसआईआर हुआ है, लेकिन कभी इस पर इतना बवाल नहीं मचा, जितना इस बार दिखाई पड़ रहा है। रहा सवाल कुछ विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर के विरोध का तो उसके पीछे यह भय है कि इस प्रक्रिया की आड़ में उसके वोट बैंक को खत्म किया जा सकता है। बिहार में विपक्षी महागठबंधन की करारी हार से यह आशंका और बलवती हुई है, जहां 65 लाख वोट चुनाव आयोग ने काट दिए थे। हालांकि इस तरह से वोटों का काटा जाना संदेह ज्यादा है, पुष्टिकारक कम। बिहार में महागठबंधन की हार के और भी कई कारण हैं। इसमें दो राय नहीं ?क देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण होना चाहिए तथा अवैध, मृत अथवा फर्जी मतदाताओं के नाम हटने चाहिए। क्योंकि मतदान का अधिकार महज एक बटन दबाने का अधिकार नहीं है बल्कि यह देश के हर नागरिक को ?मला वह राजनीतिक अधिकार है, जिससे वह अपने शासकों को चुन या खारिज कर सकता है। राजनीतिक दल अपने सत्ता स्वार्थों के चलते कई ऐसे नामों को जुड़वाने में नहीं हिचकिचाते जो अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं। ऐसे भी नाम मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हैं, जो कहीं और जाकर बस गए या भगवान को प्यारे हो चुके हैं। इस लिहाज से वोटर लिस्ट की सफाई चुनाव आयोग का लोकतांत्रिक कर्तव्य है। यही कारण है कि मतदाताओं के स्तर पर एसआईआर का कहीं कोई विरोध नहीं है। लेकिन इस बार एसआईआर का जो अमानवीय पक्ष उभर कर आया है, वह बहुत चिंताजनक और समूची प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग करता है। हालांकि चुनाव आयोग का एक तर्क यह हो सकता है कि पूरे देश में 5 लाख 30 हजार बीएलओ एसआईआर में लगे हैं। इनमें से दो दहाई में कुछ लोगों की मौतें हुई है तो यह दुखद भले हो, अलार्मिंग नहीं है। लेकिन इस अमानवीय तर्क से शायद ही कोई सहमत हो। यदि काम के दबाव में एक भी सरकारी कर्मचारी की मौत हुई है तो वह चिंताजनक और गंभीर बात है। दूसरे, यह मौतें लगभग उन सभी राज्यों में हो रही हैं, जहां एसआईआर हो रहा है। अब सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग एसआईआर पूरा करने के लिए ज्यादा समय नहीं दे सकता था? तो इसका कारण शायद यह है कि अगले साल 2026 में तीन राज्यों असम, पश्चिम बंगाल और पुदुच्चेरी के विधानसभा चुनाव मार्च/ अप्रैल में होने हैं। उसके बाद मई में केरल विस के चुनाव हैं। ऐसे में आयोग को एसआईआर प्रक्रिया हर हाल में फरवरी में पूरी कर लेनी होगी। इसका एक उपाय यह हो सकता था कि बिहार के साथ इन राज्यों में भी एसआईआर शुरू कर ?दया जाता तो ज्यादा वक्त मिल जाता। बीएलओ पर काम का इतना दबाव न होता। लेकिन आयोग ने इन राज्यों को एसआईआर 2.0 में डाला। वैसे हमे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आम तौर पर असैनिक काम में लगे सरकारी कर्मचारियों को तेजी से काम करने की आदत नहीं होती। आम तौर पर काम को लटकाने में माहिर मानसिकता युद्ध स्तर पर काम कभी-कभार ही कर पाती है। वह भी अपने नियमित कामों के साथ। ऐसे में बहुत? से सरकारी कर्मचारी एसआईआर को हिमालय पर्वत मानकर जान देने में ही मुक्ति मान रहे हैं। 2003 के एसआईआर की तुलना में इस बार कम अ?वधि के पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि पहले सारा काम मेन्युअल होता था। अब प्रौद्योगिकी के चलते जब सब ऑन लाइन, तुरत-फुरत हो रहा है तो एसआईआर बाबा आदम की चाल से क्यों चले?

ये सारे तर्क अपनी जगह सही हैं, लेकिन बीएलओ की मौतों को केवल आंकड़ों में तौलना सही नहीं है। बेहतर होता कि गंभीर बीमारी से पीड़ित कर्मचारियों को इस जिम्मेदारी से अलग रखा गया होता। दूसरे, जो कर्मचारी काम के दबाव में हताश होकर मौत को गले लगा रहे हैं, उनकी एसआईआर ट्रेनिंग के साथ साथ काउंसलिंग भी की जानी चाहिए। एक समस्या उन वरिष्ठ कर्मचारियों के साथ भी है, जिनकी डिजीटल साक्षरता लगभग शून्य है। उनके लिए ऑन लाइन काम करना पहाड़ लांघने जैसा है। तकनीकी ज्ञान के अभाव और सीखने की अनिच्छा भी उन्हें आत्मघात की ओर धकेलती है। वैसे यह भी कड़वी सचाई है कि सोशल मीडिया के इस जमाने में छोटी-छोटी बातों पर भी खुदकुशी करने की प्रवृत्ति समाज में तेजी से बढ़ी है। इस दायरे में पांच-छह साल के बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़े तक शामिल है। अब तो यह एक बड़ा सामाजिक-मानसिक रोग बनता जा रहा है, जहां व्यक्ति मामूली दबाव में भी इतना हताश हो जाता है कि जान गंवाने पर उतारू हो जाता है। बीएलओ भी उससे अलग नहीं हैं। यहां एसआईआर एक निमित्त बन गया है। बावजूद इसके चुनाव आयोग को इसे मानवीय समस्या मानकर उसके निदान की गंभीरता से कोशिश करनी चाहिए।

पुण्यतिथि: महात्मा ज्योतिबा फुले

महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को पुणे में हुआ था। उनकी माता का नाम चिमणाबाई तथा पिता का नाम गोविंदराव था। उनका परिवार कई पीढ़ी पहले माली का काम करता था। वे सातारा से पुणे फूल लाकर फूलों के गजरे आदि बनाने का काम करते थे इसलिए उनकी पीढ़ी %फुले% के नाम से जानी जाती थी।

ज्योतिबा बहुत बुद्धिमान थे। उन्होंने मराठी में अध्ययन किया। वे महान क्रांतिकारी, भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक एवं दार्शनिक थे। 1840 में ज्योतिबा का विवाह सावित्रीबाई से हुआ था। महाराष्ट्र में धार्मिक सुधार आंदोलन जोरों पर था। जाति-प्रथा का विरोध करने और एकेश?वरवाद को अमल में लाने के लिए 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की गई थी जिसके प्रमुख गोविंद रानाडे और आरजी भंडारकर थे। उस समय महाराष्ट्र में जाति-प्रथा बड़े ही वीभत्स रूप में फैली हुई थी।

स्त्रियों की शिक्षा को लेकर लोग उदासीन थे, ऐसे में ज्योतिबा फुले ने समाज को इन कुरीतियों से मुक्त करने के लिए बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाए। उन्होंने महाराष्ट्र में सर्वप्रथम महिला शिक्षा तथा अछूतोद्धार का काम आरंभ किया था। उन्होंने पुणे में लड़कियों के लिए भारत की पहला विद्यालय खोला। ल?कियों और दलितों के लिए पहली पाठशाला खोलने का श्रेय ज्योतिबा को दिया जाता है।

इन प्रमुख सुधार आंदोलनों के अतिरिक्त हर क्षेत्र में छोटे-छोटे आंदोलन जारी थे जिसने सामाजिक और बौद्धिक स्तर पर लोगों को परतंत्रता से मुक्त किया था। लोगों में नए विचार, नए चिंतन की शुरुआत हुई, जो आजादी की लड़ाई में उनके संबल बने। उन्होंने किसानों और मजदूरों के हकों के लिए भी संगठित प्रयास किया था।

ज्योतिराव गोविंदराव फुले की मृत्यु 28 नवंबर 1890 को पुणे में हुई। इस महान समाजसेवी ने अछूतोद्धार के लिए सत्यशोधक समाज स्थापित किया था। उनका यह भाव देखकर 1888 में उन्हें %महात्मा% की उपाधि दी गई थी। देश से छुआछूत खत्म करने और समाज को सशक्त बनाने में ज्योतिराव फुले का किरदार अहम रहा है। (साभार)

क्रांतिकारी, समाजसेवी महात्मा फुले जी को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

ग्रहों की ऊर्जा और मानव जीवन - शरीर, मन और आत्मा पर खगोलीय प्रभाव

मंगल गृह दिवस:ग्रहों का विज्ञान, मानव जीवन पर प्रभाव और योग-अध्यात्म की पवित्र दृष्टि

महेश अग्रवाल

सूर्योदय के क्षणों की दिव्य ऊर्जा, प्रकृति की मधुर ध्वनियाँ और ब्रह्माण्डीय चेतना का अनन्त विस्तार - इन्हीं के मध्य मंगल गृह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमारा अस्तित्व केवल पृथ्वी तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में व्याप्त ऊर्जाओं का एक सूक्ष्म प्रतिरूप है। भारत की ऋषि परंपरा सदैव कहती आई है यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे अर्थात् जो बाहर है वही भीतर है, और जो भीतर है वही बाहर।

मंगल ग्रह का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्त्व हर वर्ष 28 नवंबर को मंगल गृह दिवस या मनाया जाता है। यह 1964 में नासा के मरीनर - 4 मिशन के मंगल की ओर प्रक्षेपण की स्मृति को दर्शाता है। मंगल ग्रह, जिसे हम लाल ग्रह कहते हैं, हमारे सौरमंडल के उस अनोखे पड़ोसी ग्रहों में से एक है जिसने सदियों से मानव को आकर्षित किया है। भारत में मंगल को अग्नि, साहस, पराक्रम, इच्छाशक्ति, कर्म और ऊर्जा का देवता माना गया है। वैदिक ज्योतिष में यह भूमि-तत्व तथा मूलाधार चक्र का स्वामी माना जाता है। इसका लाल रंग जीवन की गतिशीलता, शक्ति और रक्षा का प्रतीक है। यह लेख मंगल गृह दिवस के बहाने पूरे सौरमंडल, ग्रहों की ऊर्जा, मानव शरीर पर प्रभाव और योग-अध्यात्म के वैज्ञानिक पहलुओं को गहराई से समझने का प्रयास है।

हमारा सौरमंडल - ऊर्जा का दिव्य परिवार सौरमंडल केवल खगोलीय पिंडों का समूह नहीं, बल्कि ऊर्जा, ज्योति, गुरुत्व और कंपन की एक अद्भुत समरसता है। वैदिक ऋषि मानते थे कि हर ग्रह किसी न किसी मानवीय गुण, मानसिक प्रवृत्ति, शारीरिक जीव-ऊर्जा और आध्यात्मिक केंद्र का प्रतिनिधि है। आइए ग्रहों को एक-एक करके वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से समझें -

सूर्य - जीवन, प्राण और चेतना का केंद्र वैज्ञानिक दृष्टि सूर्य पृथ्वी को प्रकाश, गर्मी, ऊर्जा प्रदान करता है। हड्डियों के निर्माण के लिए विटामिन डी इसी से मिलता है। सूर्य का गुरुत्व पूरे सौरमंडल को बाँधे हुए है। आध्यात्मिक दृष्टि सूर्य आत्मा और प्राण का प्रतीक है। सूर्यनमस्कार के माध्यम से हम सूर्य की ऊर्जा को अपने भीतर ग्रहण करते हैं। मणिपुर चक्र सूर्य से जुड़ा है, जो शक्ति, आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाता है।

चंद्र - मन, भावना, जल और शांति का ग्रह वैज्ञानिक प्रभाव पृथ्वी के ज्वार-भाटा चंद्र के गुरुत्व से प्रभावित होते हैं। मानव शरीर में 70 प्रतिशत जल है, इसलिए इसका मन व मस्तिष्क पर प्रभाव स्वाभाविक है। पूर्ण चन्द्रमा और नया चन्द्रमा का मन की स्थिरता पर प्रभाव विज्ञान भी मानता है। योगिक प्रभाव चंद्र मन का स्वामी है। चंद्र असंतुलित होने पर तनाव, बेचैनी, अनिद्रा हो सकती है। चंद्रभेदी प्राणायाम मन

को शांत करता है।

मंगल - ऊर्जा, हिम्मत और अग्नि का स्वामी यही इस लेख का मुख्य केन्द्र भी है। वैज्ञानिक परिचय मंगल पर लौह-ऑक्साइड की अधिकता है, इसलिए इसका रंग लाल है। इसका वातावरण पतला है, तापमान कम है। भविष्य में मानव-बसाहट की संभावनाओं वाला ग्रह माना जाता है। मानव शरीर पर प्रभाव रक्त, मांसपेशियों, प्रतिरक्षा और सक्रियता पर मंगल का प्रतीकात्मक प्रभाव माना जाता है। मन में साहस, निर्णय क्षमता और ऊर्जा का संचार मंगल-तत्व से होता है। आध्यात्मिक प्रभाव - मूलाधार चक्र मंगल का प्रतिनिधि है। जब यह चक्र मजबूत होता है - जीवन में स्थिरता, भय से मुक्ति, आत्मविश्वास इच्छाशक्ति बढ़ती है। मंगल की असंतुलित स्थिति के संकेत - क्रोध, अधीरता, हिम्मत में कमी, ऊर्जा का अभाव, काम टालना।

पृथ्वी - जीवन का एकमात्र ज्ञात आधार पृथ्वी पर जीवन का कारण जल, वायु, तापमान और वायुमंडल का संतुलन है। पृथ्वी स्थिरता और धैर्य का प्रतीक है। वृक्षासन, पर्वतासन से पृथ्वी-तत्व मजबूत होता है।

बुध - बुद्धि, भाषा और मानसिक चुस्ती बुध तार्किक सोच, स्मरण शक्ति, संचार और निर्णय का संकेतक है। प्राणायाम (विशेषतः अनुलोम-विलोम) बुध-तत्व को संतुलित करता है।

शुक्र - प्रेम, करुणा, कला और आनंद शुक्र मन में सौम्यता, सृजनशीलता और सौंदर्य का भाव जागृत करता है। इसका असंतुलन संबंधों में तनाव उत्पन्न कर सकता है।

बृहस्पति - ज्ञान, गुरु और आध्यात्मिकता बृहस्पति का प्रभाव आनंद, सकारात्मकता और समृद्धि देता है।ध्यान, जप और सत्संग से यह ऊर्जा मजबूत होती है।

शनि - अनुशासन, कर्म और सीख शनि कर्म के फल का प्रतीक है। यह धैर्य, न्याय और मेहनत की शिक्षा देता है। योगिक दृष्टि से शनि ध्यान को गहराई देता है।

ग्रह और मानव जीवन - योग, विज्ञान और अध्यात्म का सेतु हमारा शरीर पंच-तत्वों-पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बना है। हर ग्रह इन तत्वों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए ग्रहों की ऊर्जा हमारे - शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, भावनात्मक प्रवृत्तियों, आध्यात्मिक वृत्तियों को प्रभावित करती है। यह प्रभाव सीधा ग्रह नियंत्रित करता है, ऐसा विज्ञान स्वीकार नहीं करता, लेकिन ऊर्जा, प्रकाश, गुरुत्व और प्राकृतिक लय के माध्यम से वातावरण मानव शरीर पर प्रभाव डालता है - यह वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित है।

ग्रह और मानसिक स्वास्थ्य मानव का मन एक सूक्ष्म ऊर्जा-केन्द्र है। ग्रहों की स्थिति और ऊर्जा मन की प्रतीकात्मक प्रवृत्तियों को प्रभावित करती है - चंद्र - भावनाएँ, मंगल - साहस और क्रोध, बुध - बुद्धि, शुक्र - प्रेम, शनि - धैर्य, बृहस्पति - ज्ञान। योग, प्राणायाम और ध्यान मन को स्थिर करके इन ऊर्जाओं को संतुलित करते हैं। ग्रह और शारीरिक स्वास्थ्य - सूर्य - ऊर्जा, हड्डियाँ, चंद्र - नींद, जल-तत्व, मंगल - रक्त, प्रतिरक्षा, शनि - तंत्रिका तंत्र, बुध - हार्मोनल संतुलन। सूर्य- चंद्र- ग्रहों के प्रकाश, गुरुत्व और प्राकृतिक चक्र हमारे जैविक घड़ी को प्रभावित करते हैं। ग्रह और आध्यात्मिक स्वास्थ्य - योगिक दृष्टि में 7 चक्र 7 प्रमुख ग्रहों से जुड़े हैं - चक्र - ग्रह - गुण मूलाधार मंगल स्थिरता, साहस। स्वाधिष्ठान शुक्र रचनात्मकता। मणिपुर सूर्य शक्ति। अनाहत बुध करुणा। विशुद्धि चंद्र शांति।आज्ञा शनि अंतर्दृष्टि। सहस्रार बृहस्पति ज्ञान, मोक्ष ध्यान और जप इन चक्रों को संतुलित करते हैं।

मंगल ग्रह - साहस, ऊर्जा और जीवन गति का आधार अब मंगल को विस्तार से समझते हैं - मंगल का वैज्ञानिक महत्व - मंगल पर ज्वालामुखी हैं। इसका एक दिन लगभग पृथ्वी जैसा है। भविष्य में मानव कॉलोनियों का संभावित ग्रह। मंगल का आध्यात्मिक महत्व - मूलाधार चक्र का संरक्षक। भय दूर करता है। निर्णय शक्ति बढ़ाता है। पराक्रम, उत्साह, वीर्य, ऊर्जा देता है। मंगल की सकारात्मक ऊर्जा के लक्षण - दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास, कर्मठता, उत्साह, भीतर अग्नि और ऊर्जा का अनुभव। असंतुलित मंगल - चिड़चिड़ापन, जल्द गुस्सा, बेचैनी, हिम्मत की कमी, उत्साह में कमी।

मंगल ऊर्जा संतुलन हेतु योग और प्राणायाम भस्त्रिका प्राणायाम - शक्ति, गर्मी और उत्साह बढ़ाता है। कपालभाति - मंगल की जड़ ऊर्जा (अग्नि) को सक्रिय करता है। अनुलोम - विलोम - अत्यधिक मंगल-ऊर्जा को शांत करता है। वीरभद्रासन - साहस, संतुलन और शारीरिक शक्ति का विकास। ताड़ासन - मूलाधार को स्थिर करता है। त्रिकोणासन - ऊर्जा प्रवाह को संतुलित करता है। मंगल के लिए आध्यात्मिक साधना - मंत्र ? क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः। यह मंत्र मंगल की ऊर्जा को सकारात्मक रूप देता है। मूलाधार चक्र ध्यान - लाल रंग की ज्योति पर ध्यान। गहरी साँसों के साथ लं बीज मंत्र का जप। सेवा और परोपकार - मंगल रक्षण-भाव का प्रतीक है, इसलिए सेवा मंगल को संतुलित करती है।

मंगल गृह दिवस का दिव्य संदेश मंगल हमें याद दिलाता है कि - जीवन में साहस, ऊर्जा और उत्साह आवश्यक हैं। योग के बिना यह ऊर्जा असंतुलित हो सकती है। ग्रह दबाव नहीं डालते, बल्कि ऊर्जा का संकेत देते हैं। मन- शरीर-आत्मा का संतुलन ही सच्ची मंगलता है। जब मन शांति में, शरीर शक्ति में, और आत्मा प्रकाश में स्थित हो - तभी हम ब्रह्माण्ड की ऊर्जा के साथ एक लय में चलते हैं।

ब्रह्माण्ड के साथ तादात्म्य ही योग है यह विशाल सौरमंडल केवल वैज्ञानिक रहस्य नहीं, बल्कि हमारी आत्मा का सूक्ष्म विस्तार है। मंगल गृह दिवस हमें स्मरण कराता है कि - ग्रह हमारी नियति नियंत्रित नहीं करते। हमारा मन, हमारी साधना और हमारा कर्म ही हमारी दिशा तय करते हैं। योग हमें ब्रह्माण्डीय ऊर्जा से जोड़कर भय मिटाता है। शक्ति बढ़ाता है और आध्यात्मिक शांति देता है। जीवन की मंगलमयता बाहरी नहीं, भीतर की ऊर्जा का प्रस्फुटन है। इसी चेतना के साथ मंगल गृह दिवस साहस, ऊर्जा, संतुलन और आध्यात्मिकता का पर्व बन जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

प्रशासन सतर्क है और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है : मंत्री गौर

छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के दिए निर्देश

सीहोर, सांध्य प्रकाश। सीहोर जिले के कोठरी स्थित वीआईटी कॉलेज में दूषित भोजन खाने से विद्यार्थियों का स्वास्थ्य खराब होने की घटना और छात्रों द्वारा प्रदर्शन की जानकारी प्राप्त होने पर संज्ञान लेते हुए पिछ?ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमंतु एवं अर्द्ध घुमंतु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने सीहोर कलेक्टर श्री बालागुरू के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला तथा कॉलेज प्रबंधन से घटना की विस्तृत जानकारी ली। मंत्री श्रीमती गौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के साथ ही छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। मंत्री श्रीमती गौर ने कॉलेज प्रबंधन को विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए संस्थान में कुछ दिनों का अवकाश घोषित करने को भी कहा, ताकि छात्र आराम कर सकें और स्थिति सामान्य होने के साथ ही वापस लोटने पर सहज महसूस कर सकें। मंत्री श्रीमती गौर ने निर्देश दिए कि कॉलेज की मेस एवं भोजन व्यवस्था का तत्काल परीक्षण कर उसे दुरुस्त किया जाए तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुधार कर सुचारू किया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि घटना पर प्रशासन सतर्क है और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है।

ढोकडोह में 530 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच

ढोकडोह/सौसर, सांध्य प्रकाश। केंद्र सरकार के 100 दिन सेवा संकल्प और स्वास्थ्य के 72 अभियान के तहत शुक्रवार को ढोकडोह में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। पांढुरना एवं छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री विवेक बंटी साहू के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

दुग्ध संघ ने मामा का फर्ज निभाकर निभाई मायरे की परंपरा, समिति के लोगों ने परंपरा के अनुसार कन्या के परिजनों को ओढ़ाई पेरावनी

दुग्ध उत्पादक किसान की बेटी को 11 हजार रुपए नगद राशि के साथ-साथ साडी-कपडे, फल, श्रीफल, मिठाइयों से भरे थाल सौंपे

सीहोर, सांध्य प्रकाश। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिस तरह से प्रदेश की बेटियों के लिए मामा बन कर कन्या दान योजना सहित कई योजनाएं शुरू की थी उसी तरह भोपाल दुग्ध संघ ने भी समिति से जुड़े हुए लोगों के लिए भोपाल दुग्ध संघ ने मायरा (भात) योजना मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शुरू की है। इस योजना के तहत दुग्ध संघ से जुड़े परिवारों के यहां होने वाले विवाह आयोजनों में दुग्ध संघ के अधिकारी और सदस्य शामिल होकर मामा का फर्ज निभाते हुए विवाह के एक दिन पूर्व मायरा (भात) परंपरा को निभा रहे है। इसी के तहत गुरुवार को सहकारी दुग्ध समिति के ग्राम कचनारिया निवासी किसान कैलाश बरेठा की पुत्री निकिता बरेठा के विवाह मंडप कार्यक्रम में भोपाल दुग्ध संघ के पदाधिकारी और समिति के सदस्य शामिल हुए। जहां पर समिति के जिला नोडल अधिकारी कृपाल सिंह दुगरिया, पर्यवेक्षक मूलचंद वर्मा, पर्यवेक्षक पंकज गौर, गोविंद शर्मा, मुंगावली समिति के सचिव जगदीश वर्मा, धनखेडी समिति सचिव मनोहर वर्मा, दुग्ध समिति कचनारिया के अध्यक्ष दिनेश राठौर, सचिव मुकेश कुमार बरेठा मामा के रूप मे भांजी कि शादी में उपस्थित हुए। मायरा योजना के तहत परंपरा निभाते हुए 11000 रुपए की नगद राशि, मायरा, फल माला और मिठाई, वस्त्र भेट कर रस्म निभाई। इस दौरान जिला नोडल अधिकारी कृपाल सिंह दुगरिया ने वैवाहिक जीवन मंगलमय होने की शुभकामनाएं देते हुए कहा दुग्ध संघ हमेशा अपने सदस्यों को उच्चतम क्रय दर के साथ, उनके दुख व सुख में हमेशा साथ खड़े होने की भावना से सदस्य सहायता योजना, और सांची भात मायरा योजना का लाभ अपने सदस्यों को पहुंचा रहा हैं। कहा कि हमारी बेटियों के परिवार का सांची दुग्ध संघ से जनम-जनम का नाता भी जुड़ जाता है। सांची मायरा हमारी बेटियों के लिए उपहार नहीं है बल्कि सांची से हमारा और हमारी बेटियों के परिवार को भी जोड़ने वाला एक अटूट बंधन है। सांची भात मायरा योजना का लाभ प्राप्त करने पर ग्राम कचनारिया के किसान कैलाश बरेठा और पारिवारिक सदस्यों ने भोपाल दुग्ध संघ के अधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दुग्ध संघ से जुड़े किसान और ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए हुई 100 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी की पदस्थापना

बडवानी को 30 और मंडला को 23 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मिले, अधिकतम 30 मिनट की दूरी पर मिलेंगी प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा

बडवानी, सांध्य प्रकाश। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार व उन्हें और बेहतर किए जाने की दिशा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा एक साथ 100 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। खास बात यह है कि अधिकतर नियुक्तियां आकांक्षी और उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में की गई है । ये सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी उपस्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सेवाएं देंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा इन नियुक्ति में आकांक्षी और उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में स्वास्थ्य सेवाए सुदृढ़ करने का विशेष ध्यान रखा है। इन जिलों में बडवानी, उमरिया, शहडोल, मण्डला, छतरपुर एवं दमोह शामिल है । कुल 100 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इन अधिकारियों की नियुक्ति के बाद ग्रामीण इलाकों में रहने वाली आबादी को अपने निवास स्थान के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की अवधारणा को शामिल किया गया था। आयुष?मान आरोग?य मंदिर में 12 सेवाओं के हेल्थ पैकेज द्वारा समग्र सेवा उपलब्ध करवाई जा रहे हैं, जिनमें गर्भावस्था देखभाल, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य, संचारी एवं असंचारी रोगों का प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल, मुख रोग, दंत रोग , नेत्र रोग , नाक, कान गला रोग और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं शामिल है । इन केंद्रों में 17 प्रकार की पैथोलॉजी जांच और 126 प्रकार की औषधियां निशुल्क उपलब्ध हैं । साथ ही योग तथा पोषण जैसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में 12655 आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील है । प्रदेश के 97 प्रतिशत से ज्यादा केंद्रों में नियुक्तियां की जा चुकी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा उम्मीदवारों को सर्टिफिकेट कोर्स इन कम्युनिटी कोर्स पूर्ण कराया गया और उत?तीर्ण होने के उपरांत पदस्थापना स्थल हेतु विकल्प चयन का मौका दिया गया था । संबंधित जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अभिलेखों के सत्यापन उपरांत अंतिम नियुक्ति आदेश जारी कर रहे है।

अभाविप ने प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर को सौंपा ज्ञापन

वीआईटी भोपाल प्रकरण पर तत्काल कार्यवाही की मांग

सीहोर, सांध्य प्रकाश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) सीहोर के प्रांत कार्य समिति सदस्य हर्षित मेवाड़ा के नेतृत्व में गुरुवार को प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें बताया गया कि वीआईटी भोपाल (वास्तविक स्थान सीहोर) में पिछले दिनों सामने आए गंभीर स्वास्थ्य संकट, भोजन-पेयजल की अव्यवस्था, छात्रों को अवैध रूप से कमरों में रोके जाने, सुरक्षा गार्ड्स द्वारा छात्रों पर किए गए हमलों, विश्वविद्यालय प्रबंधन की निरंतर लापरवाही, पारदर्शिता के अभाव और भ्रामक संस्थागत नाम जैसी गंभीर अनियमित्ताऐं हैं। ज्ञापन में यह भी बताया कि वीआईटी परिसर में सतराह हजार से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, लेकिन स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, स्वच्छ भोजन-पानी और प्रशासनिक जवाबदेही जैसी बुनियादी आवश्यकताएँ तक उपलब्ध नहीं हैं। छात्रों को उनकी इच्छा के विरुद्ध कमरों में बंद करना, आवाज़ उठाने पर दबाव बनाना और प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा कर्मियों द्वारा बल प्रयोग करना अत्यंत गंभीर मामले हैं, जिन्हें अब तक किसी भी स्तर पर उचित रूप से नहीं लिया गया है।

इस मौके पर प्रांत कार्यसमिति सदस्य हर्षित मेवाड़ा ने बताया कि अभाविप ने इन समस्याओं को विश्वविद्यालय प्रशासन, जिला प्रशासन, निजी विश्वविद्यालय आयोग और तकनीकी शिक्षा विभाग तक पूर्व में भी ज्ञापन सौंपे, लेकिन आज तक एक भी ठोस और निर्णायक कार्यवाही नहीं सकी है। प्रबंधन की लापरवाही लगातार बढ़ती जा रही है।

अभाविप ने मांग की है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन पर तत्काल कठोर कार्यवाही की जाए, घटना में संलज्न सुरक्षा कर्मियों और उनकी एजेंसी पर एफआईआर दर्ज करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष व उच्च-स्तरीय जाँच कर छात्रों की सुरक्षा और अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यदि तत्काल कार्यवाही नही होती है तो परिषद प्रदेश व्यापी आन्दोलन करने के लिये बाध्य होगा।

चौरई विधानसभा की एसआई आर कार्यशाला में हुए शामिल

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव एवं प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर की उपस्थिति में चौरई विधानसभा में मतदाता सूची विशेष ग्रहण पुनरीक्षण 2025 (एस आई आर) कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ने बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में चल रहे एस आई आर अभियान की जानकारी ली एवं आगामी कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एस आई आर का काम अभी नहीं तो कभी नहीं की मानसिकता को लेकर करें। उन्होंने कहा कि हमें यह ध्यान रखना है मतदाता सूची में एक भी पात्र नाम छूट ना जाए और एक भी अपात्र नाम जुड़ ना जाए। उन्होंने कहा कि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें।

प्रदेश मंत्री ने छिंदवाड़ा कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ने महापौर विक्रम अहाके, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय झांझरी, जिला महामंत्री कमलेश उईके एवं एस आई आर अभियान के छिंदवाड़ा विधानसभा संयोजक धर्मेंद्र मिगलानी की उपस्थिति में जिला भाजपा कार्यालय में छिंदवाड़ा विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ एस आई आर के विषय में विस्तृत चर्चा की। प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ने बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में चल रहे एस आई आर अभियान की जानकारी ली एवं आगामी कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य पारदर्शी, त्रुटि-रहित और समावेशी मतदाता सूची बनाना है। उन्होंने कहा कि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें।

नगर पालिका-नगर परिषद कर्मचारियों का जिला स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न

समस्याओं के त्वरित निराकरण की उठी मांग

सीहोर, सांध्य प्रकाश। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन 7262 के तत्वावधान में नगर पालिकाङ्कनगर परिषद कर्मचारियों का जिला स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि सफाई आयोग अध्यक्ष प्रताप करोसिया और प्रदेश अध्यक्ष कमल भाटी रहे। नपा अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्मेलन में नई नियुक्तियाँ की गईं और कर्मचारियों की समस्याओं का ज्ञापन सौंपा गया। प्रमुख मांगों में मोबाइल अटेंडेंस समाप्त करना, चुंगी क्षतिपूर्ति समय पर देना, हर माह की 5 तारीख तक वेतन, आकस्मिक अवकाश, मृत कर्मचारियों के परिजनों को नियुक्ति, ठेका प्रथा समाप्त कर 200 सफाईकर्मियों की भर्ती, रविवारङ्कत्योहार पर अवकाश और 2016 तक के कर्मचारियों का नियमितिकरण शामिल है।

जनप्रतिनिधियों ने मांगों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। नपा अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने वाल्मीकि समाज हेतु कम्युनिटी हॉल बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएएस संतोष वर्मा की विवादित टिप्पणी पर उफना ब्राह्मण समाज, राजनीतिक मौन पर उठे सवाल, कांग्रेस में बेबाकी से हेमंत कटारे ने भरा खालीपन

भोपाल, सांध्य प्रकाश। आई ए एस संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद प्रदेशभर का ब्राह्मण समाज आक्रोशित है। धार्मिक और सामाजिक अस्मिता पर चोट माने जा रहे इस बयान ने जहाँ सामान्य जनमानस में नाराज़गी पैदा की है, वहीं राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे पर चुप्पी कई सवाल खड़ी कर रही है।

ब्राह्मण संगठनों का कहना है कि ÷ये केवल एक टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।÷ विभिन्न जिलों में बैठकों, ज्ञापनों और विरोध कार्यक्रमों की तैयारी तेज़ हो गई है। समाज के प्रमुख पदाधिकारियों का मानना है कि इस घटना ने ब्राह्मण समाज की उपेक्षा के उस पुराने दर्द को फिर उभार दिया है, जिसे लंबे समय से नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है।भाजपा नेताओं की खामोशी चर्चा का विषय

राजनीतिक मंचों पर प्रदेश के बड़े ब्राह्मण चेहरे माने जाने वाले नेता–

डॉ. नरोत्तम मिश्रा, वी.डी. शर्मा, हितानंद शर्मा, गोपाल भार्गव सहित कई वरिष्ठ नेताओं द्वारा अब तक कोई कठोर प्रतिक्रिया न देने को लेकर समाज में निराशा का भाव है। कई ब्राह्मण संगठनों का कहना है कि राजनीतिक नेतृत्व का यह मौन उस समय और खटकने लगता है जब समाज पर प्रत्यक्ष चोट करने वाली घटनाओं पर भी केवल ÷राजनीतिक सुविधा÷ को प्राथमिकता दी जाती है।

कांग्रेस में भी खानापूर्ति प्रतिक्रिया–लेकिन एक नाम उदय हो रहा है कांग्रेस पक्ष में भी स्थिति बहुत अलग नहीं दिखी। अधिकतर ब्राह्मण नेताओं ने औपचारिकता निभाते हुए एक-दो लाइन के ट्वीट कर अपनी जिम्मेदारी खत्म मान ली। समाज की भावनाओं के अनुसार जो दृढ़ प्रतिक्रिया अपेक्षित थी, वह दिखाई नहीं दी।ऐसे समय में कांग्रेस के युवा और तेजतर्रार नेता हेमंत कटारे की बेबाक प्रतिक्रिया पार्टी के अंदर एक अलग ही संदेश दे रही है।

कटारे ने न केवल संतोष वर्मा की टिप्पणी की कठोर निंदा की, बल्कि स्पष्ट शब्दों में कहा कि ÷ब्राह्मण समाज का अपमान किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा।÷

उनकी यह खुली और निर्विवाद प्रतिक्रिया समाज में सकारात्मक तौर पर देखी जा रही है।

राजनीति के जानकार मानते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस में प्रभावी ब्राह्मण नेतृत्व की कमी साफ दिखाई दे रही थी। ऐसे में यही खालीपन अब हेमंत कटारे भरते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी साफ-सुथरी, मुखर और निर्भीक राजनीति उन्हें ब्राह्मण समाज के उभरते हुए प्रमुख चेहरों में शामिल कर रही है।

नकुलनाथ के नेतृत्व में 2 दिसम्बर को होगा विशाल किसान बचाओ आंदोलन

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। किसान समस्याओं से घिरा हुआ है। कभी खाद के लिए भटकता है तो कभी बिजली कटौती का सामना करने को मजबूर है। फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलना भाजपा के राज में आम बात हो चुकी। भाजपा के कार्यकाल में सरकार और सरकारी तंत्र दोनों के पास अन्नदाता की सुनवाई नहीं होना सबसे बड़े दुर्भाग्य की बात है। किसान बचाओ आंदोलन को लेकर कांग्रेस छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक-भाग दो एवं शहर कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि जिले का किसान सतत रूप से मक्का उपज को समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग उठा रहा है। कांग्रेस किसानों के समर्थन में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन भी कर रही, किन्तु प्रदेश की बहरी सरकार को सुनाई नहीं दे रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने कहा कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं नकुलनाथ के कार्यकाल में कभी किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए भटकना और तरसना नहीं पड़ा, किन्तु भाजपा की सरकार में किसान हर मोर्चे पर परेशान व त्रस्त है। जिले का प्रत्येक किसान मक्का उपज को कम से कम 2400 रुपए प्रति क्विंटल के दाम से बेचना चाहता है, क्योंकि तभी लागत मूल्य निकल पाएगी।

नकुलनाथ करेंगे किसानों की आवाज बुलंद केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार तक अन्नदाता की आवाज पहुंचाने जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के नेतृत्व में दिनांक 02 दिसम्बर को कुसमैली कृषि उपज मंडी के सामने किसान बचाओ आंदोलन होगा। जिसमें मूल रूप से किसान भाइयों की सम्पूर्ण समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। किसान भाइयों की मक्का उपज को 2400 रुपए प्रति क्विंटल पर खरीदने का वादा भाजपा सरकार को याद दिलाया जाएगा साथ ही अविलम्ब 24 सौ रुपए प्रति क्विंटल के दाम से खरीदी प्रारंभ करने की मांग की जाएगी।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर सांची परिवार ने महिला दुग्ध उत्पादक की सुपुत्री की शादी में सौंपा मायरा

महाप्रबंधक क्षेत्र संचालन एवं प्रबंधक भोपाल ने 11-11 हजार रुपए नकद, उपहार रूवरूप साड़ियां, कपड़े, सांची गिफ्ट पेक, फल-श्रीफल व मिठाइयों से भरा थाल सौंपा

भोपाल सांध्यप्रकाश। एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) से संबद्ध भोपाल सहकारी दुग्ध संघ द्वारा चलाई गई सांची भात (मायरा) योजना के अंतर्गत बुधवार 26 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर भोपाल सहकारी दुग्ध संघ अंतर्गत जिला शाजापुर कैम्प शुजालपुर की महिला दुग्ध सहकारी समिति नयापुरा नांदनी में समिति की सदस्य श्रीमती कृष्णा बाई राजपूत की सुपुत्री पूजा राजपूत की शादी समारोह मे सांची परिवार ने सांची मायरा सौंपा है। सौंपे गए थाल में 11-11 हजार रूपए नगद, उपहार रूवरूप साड़ियां, कपड़, सांची गिफ्ट पेक, फल-श्रीफल व मिठाईयां शामिल है।

राजेश विजयवर्गीय, महाप्रबंधक क्षेत्र संचालन एवं श्रीमती भाग्यश्री बजाज प्रबंधक द्वारा लेकर शादी समारोह में सांची मायरा का थाल सांची परिवार की तरफ से लेकर शामिल हुए। सांची भांत मायरा योजना का लाभ प्राप्त कर श्रीमती कृष्णा बाई राजपूत एवं पारिवारिक सदस्यों के द्वारा भोपाल दुग्ध संघ द्वारा चलाई जा रही योजना का आत्मीय धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर सांची परिवार ने बिटिया पूजा को वैवाहिक जीवन मंगलमय की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ससुराल के परिवार को भी सांची परिवार से जोडने के लिए भी प्रेरित करें। इस अवसर पर एनडीडीबी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ वर्गीस कुरियन के जन्म दिवस को भी उत्साह के साथ मनाया। उल्लेखनीय है कि सांची मायरा योजना का उद्देश्य यही है कि अपने दुग्ध समिति सदस्यों को उच्चतम क्रय दर के साथ उनके दुख एवं सुख में हमेशा साथ ख? है, ताकि दुग्ध उत्पादक किसान आर्थिक रूप से

यह लोग रहे उपस्थित

इस अवसर पर भोपाल सहकारी दुग्ध संघ से नितेश अलावा जिला नोडल अधिकारी शाजापुर, समिति अध्यक्ष श्रीमति उर्मिला बाई मेवा?ा, ग्राम सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम जी, समिति दुग्ध प्रदायक समिति पर्यवेक्षक सुश्री रानी डांडोलिया, नरेन्द्र परमार, प्रदीप वर्मा समिति सचिव श्याम मेंवा?ा सहायक सचिव बंटी मेवा?ा,अन्य समिति सचिव अन्तर सिंह मेवा?ा, श्री एलमसिंह, रामबाबू मेवाडा नरेन्द्र परमार, बनवारी चंद्रवंशी, मनोज चंदेल, सुरेश परमार, अरुण मेवा?ा मोहन मीना, भगवान सिंह एवम् ग्रामीण जन उपस्थित हुए।

मध्यप्रदेश में अब दुकान-प्रतिष्ठान का रजिस्ट्रेशन सिर्फ ऑनलाइन

20 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को राहत, कैबिनेट में नया विधेयक मंजूर

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश सरकार ने व्यापारियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए बड़ी प्रशासनिक राहत दी है। सरकार ने दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1958 में व्यापक संशोधन को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मध्यप्रदेश दुकान एवं स्थापना संशोधन विधेयक 2025 को हरी झंडी मिल गई। यह विधेयक आगामी 1 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा। राज्य सरकार के फैसले के अनुसार अब सभी दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, होटलों और रेस्टोरेंट्स का पंजीयन सिर्फ ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही होगा। नई व्यवस्था पूरी तरह स्व-प्रमाणन आधारित होगी और कागजी दस्तावेज़ों की आवश्यकता खत्म हो जाएगी। सरकार के मुताबिक पंजीयन प्रमाणपत्र भी डिजिटल फॉर्मेट में उपलब्ध रहेगा, जिसे प्रतिष्ठान में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

20 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को राहत

सूक्ष्म और लघु व्यवसायों को राहत देते हुए सरकार ने प्रावधान किया है कि 20 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण केवल श्रम आयुक्त की अनुमति से ही किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इससे छोटे व्यापारियों को अनावश्यक कार्रवाई से सुरक्षा मिलेगी।

सभी प्रक्रियाएं अनिवार्य रूप से ऑनलाइन

श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि रजिस्ट्रेशन, नवीनीकरण, संशोधन और प्रतिष्ठान बंद करने तक की सभी प्रक्रियाएँ अब ऑनलाइन दर्ज होंगी। नया प्रतिष्ठान प्रारंभ होने के 30 दिनों के भीतर पंजीयन कराना होगा। कर्मचारियों की संख्या या अन्य बदलाव 7 दिन के भीतर अपडेट करना होगा। प्रतिष्ठान बंद करने की सूचना 10 दिन में देना अनिवार्य होगी। सूचना दर्ज होते ही प्रतिष्ठान का रजिस्ट्रेशन स्वतः रजिस्टर से हट जाएगा।

रजिस्ट्रेशन शुल्क की सीमा 2500 रुपए

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस प्रणाली में रजिस्ट्रेशन शुल्क की अधिकतम सीमा 2,500 तय की गई है। सरकार का दावा है कि नया डिजिटल मॉडल व्यापारियों के लिए प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त बनाएगा।

बीएसएसएस में प्लेसमेंट सत्र 2025-26 का सफल आगाज, 7.60 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ चयन

भोपाल सांध्यप्रकाश। भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) के प्लेसमेंट सेल ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए एक सफल कैंपस प्लेसमेंट अभियान के साथ अपना ज़ीरो डे मनाकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वैश्विक कंसल्टेंसी फर्म डेलॉइट ने दो एम.कॉम छात्रों को 7.60 लाख रुपये प्रति वर्ष के प्रभावशाली पैकेज पर नियुक्त किया। इस वर्ष, बीएसएसएस प्लेसमेंट सेल ने प्लेसमेंट प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए कई अभिनव पहल शुरू की हैं। मैन्युअल प्रक्रियाओं को समाप्त करने के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया को पूरी तरह से स्वचालित कर दिया गया है, जिससे दक्षता और पारदर्शिता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस प्रक्रिया के तहत, छात्रों को कैंपस ड्राइव में भाग लेने से पहले अपने करियर की प्रगति पथ की पुष्टि करनी होती है, चाहे वे आगे की पढ़ाई जारी रखने, नौकरी पाने या उद्यमिता शुरू करने की योजना बना रहे हों। इसके अतिरिक्त, एमआईएस टूल का उपयोग करके एक व्यक्तिगत रिज्यूमे निर्माण सुविधा को एकीकृत किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र अपने व्यक्तिगत करियर लक्ष्यों के अनुरूप एक पेशेवर, मानकीकृत रिज्यूमे प्रस्तुत करें।

डेलॉइट प्लेसमेंट अभियान की सफलता भविष्य में कैंपस भर्ती के लिए एक आशाजनक मिसाल कायम करती है, क्योंकि आने वाले महीनों में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां बीएसएसएस के छात्रों की भर्ती के लिए तैयार हैं। बीएसएसएस कॉलेज, भोपाल के प्रधानाचार्य फादर डॉ. जॉन पीजे, डीन अकादमिक फादर जोमी पनीथास, उप-प्रधानाचार्य सिस्टर डॉ लीमा जैकब और जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मंजू मेहता ने प्लेसमेंट सेल प्रभारी अश्विनी कुमार गुप्ता को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी, साथ ही प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले छात्रों को भी बधाई दी।

रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा द्वारा युवाओं को नशा-मुक्ति की शपथ एवं स्वच्छता संवाद का आयोजन

छिंदवाड़ा **सांध्यप्रकाश ।** रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा द्वारा गुरुवार को खजरी चौक स्थित ई लाइब्रेरी में रोटरी क्लब के अध्यक्ष एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर रोटे विनोद तिवारी की अध्यक्षता में नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में रोटे विनोद तिवारी ने नशा-मुक्ति की शपथ युवाओं को दिलाई गई। साथ ही गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण एवं स्वच्छता पर महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत किशोरियों व नागरिकों को नशा-मुक्ति की शपथ दिलवाकर की गई। स्वच्छता के तहत गीला-सूखा कचरा अलग करने के महत्व पर विशेष चर्चा हुई। रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटे विनोद तिवारी ने अपने भावनात्मक वक्तव्य में कहा कि ÷स्वच्छता किसी योजना का हिस्सा नहीं बल्कि हमारी रोज़मर्रा की संस्कृति है। जिस दिन हर घर में कचरा पृथक्करण की आदत और हर बच्चे में नशामुक्त जीवन की सोच विकसित होगी, उसी दिन हमारा शहर सच में प्रगति करेगा। छिंदवाड़ा को स्वच्छ, सुरक्षित और नशा-मुक्त बनाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।÷कार्यक्रम में रोटरी क्लब के सचिव रोटे निलेश गुप्ता कोषाध्यक्ष रोटे रूपल अग्रवाल उपाध्यक्ष रोटे अरविंद अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधियों एवं संस्थानों में मॉडल फ्यूचर संस्था से आयशा लोधी, टी वर्ल्ड से मोहम्मद इस्माइल कुरैशी, हमारा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र सोमकुँवर, समाजसेवी आराधना शुक्ला, वंदना भटपगार पगार, संदीप सोनी, अंजू साहू, शैलेंद्र उजवने और शेख असलम, आदर्श फाउंडेशन से डॉ. लता नागले एवं महेश बंदेवार सहित हॉस्टल वार्डन कमलेश डेहरिया , ई दक्ष लाइब्रेरी प्रभारी संदीप साहू सहित अन्य समाजसेवी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ मन और स्वच्छ शहर की संयुक्त अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाना है।

आरक्षण के संदर्भ में महिलाओं पर की गई टिप्पणी घोर आपत्तिजनक, उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बयान की निंदा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आईएएस अधिकारी द्वारा आरक्षण के संदर्भ में दिये गये बयान को आपत्तिजनक बताते हुए निंदा की है। उन्होंने इस बयान को बहन-बेटियों के सम्मान के विरूद्ध और समाज को बांटने वाले बताया। उन्होंने कहा कि सरकार में एक जवाबदार पद पर बैठे अधिकारी द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई इस टिप्पणी से सामाजिक समरसता को ठेस पहुंची है। जातिगत, नारियों के सम्मान के विपरीत और समाज को बांटने वाले इस बयान की जितनी भी निंदा की जाए उतनी कम है। श्री शुक्ल ने कहा कि अधिकारी की इस सोच को भारतीय संस्कृति और मर्यादा का भी अपमान ही कहा जाएगा। हमारी परंपराएं अपमान नहीं सभी वर्गों का सम्मान सिखाती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी अधिकारी चाहे वह किसी भी रैंक का हो, द्वारा संवैधानिक नीतियों पर ऐसी टिप्पणी करना कदापि उचित नहीं है जिससे सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता हो। अधिकारी के इस बयान से सामाजिक सद्भाव और संविधान का भी अपमान हुआ है। श्री शुक्ल ने कहा कि आईएएस अधिकारी द्वारा दिए गए आपत्तिजनक और अशोभनीय बयान को लेकर कानून अपना काम करेगा और प्रदेश में किसी भी स्थिति में सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिशों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आईएएस अधिकारी का यह बयान अखिल भारतीय सेवाएं आचरण नियम का भी घोर उल्लंघन है जिसे लेकर सरकार ने भी उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। इस संबंध में सरकार उचित और नियमानुसार कार्यवाही करेगी।

एआई+ ने लॉन्च किया लैपटॉप

भोपाल। भारत में सबसे तेज़ी से बढ़ते टेक्नोलॉजी ब्रांड एआई+ ने आज एआई+ लैपटैब÷ लॉन्च किया – एक नई श्रेणी का स्मार्ट डिवाइस, जो लैपटॉप की उत्पादकता और टैबलेट की पोर्टेबिलिटी को एक साथ जोड़ता है। भारत के हाइब्रिड जेनरेशन–सीखने वालों, क्रिएटर्स और प्रोफेशनल्स–की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह लैपटैब तीन साइज़ में उपलब्ध होगा– 11, 12 और 13, तथा इसके साथ कीबोर्ड और स्टायलस सपोर्ट भी मिलेगा। यह 2026 के पहले क्वॉर्टर से फ्लिपकार्ट और एआई+ के रिटेल पार्टनर्स के माध्यम से पूरे देश में उपलब्ध होगा। यह लॉन्च एआई+ के दूसरे बड़े हार्डवेयर एक्सपेंशन को दर्शाता है, इससे पहले एआई+ स्मार्टफोन ने छह महीनों में 1 मिलियन यूज़र्स का आंकड़ा पार कर मार्केट में अपनी मज़बूत पहचान बनाई थी। इसके साथ ही एआई+ ने भारत के स्वदेशी टेक इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। एआई+ लैपटैब का मुख्य सिद्धांत है– एक ही डिवाइस सब कुछ कर सके। वर्चुअल क्लासेस अटेंड करने से लेकर प्रेज़ेंटेशन एडिट करने तक, शोज़ देखने से लेकर चलते-फिरते आइडिया नोट करने तक–यूज़र अब बिना डिवाइस बदले काम और मनोरंजन के बीच आसानी से स्विच कर सकेंगे।

अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक देहरादून, उत्तराखंड में संपन्न

राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में समाज परिवर्तन का वाहक बने युवाओं को लेकर प्रस्ताव पारित

अधिवेशन के प्रांगण में लगी प्रदर्शनी

भोपाल सांध्यप्रकाश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक देहरादून के परेड ग्राउंड में बसाए गए भगवान बिरसा मुंडा नगर में बृहस्पतिवार को संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह माननीय मुकुंद सी.आर. जी की भी गरिमामई उपस्थिति रही। इस महत्वपूर्ण बैठक में विद्यार्थी परिषद की संगठनात्मक संरचना के अनुसार 46 प्रांतों से कुल 468 प्रतिनिधि अपेक्षित हैं। बैठक में शिक्षा, समाज, पर्यावरण, सेवा, खेल, तकनीकी जैसे प्रमुख समसामयिक विषयों की चर्चा की गई एवं इस वर्ष चले वृहद सदस्यता अभियान पर देशभर से आए प्रतिनिधियों ने अनुभव साझा किया। राष्ट्रीय अधिवेशन में रखे जाने वालों प्रस्तावों पर भी विस्तृत चर्चा की गई और अंत में ÷समाज परिवर्तन का वाहक बने युवा÷ विषयक प्रस्ताव पारित किया गया। गत फ़रवरी-मार्च माह में गुजरात के द्वारका जी में सम्पन्न हुई अभाविप की विचार-बैठक के करणीय बिंदुओं को भी इस कार्यकारी परिषद द्वारा पारित किया जाएगा।

अधिवेशन के प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनी ÷रानी अब्बक्का प्रदर्शनी÷ का उद्घाटन भी आज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पतंजलि योग ट्रस्ट के महासचिव आचार्य बालकृष्ण एवं उत्तराखण्ड के शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत द्वारा किया गया, जिसका थीम ÷देवभूमि से राष्ट्रभूमि तक - उत्तराखण्ड के 25 वर्षों की यात्रा एवं विजन 2047 के संदर्भ में राष्ट्रीय पुनर्जागरण÷ है। रानी अब्बक्का की 500वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर कर्नाटक स्थित उनकी जन्मस्थली से निकाली गई 3000 किलोमीटर लंबी ÷रानी अब्बक्का कलश यात्रा÷ एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर उनकी जन्मस्थली उलिहातु, झारखंड से निकाली गई ÷भगवान बिरसा संदेश यात्रा÷ आज भगवान बिरसा मुंडा नगर पहुंची है, जहां इनके भव्य स्वागत के पश्चात यात्रा में लाए गए जल व मिट्टी के कलशों को प्रांगण में स्थापित किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो राजशरण शाही ने राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के उद्घाटन सत्र में कहा कि,÷अभाविप ने शैक्षिक, सामाजिक व अन्य क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। अभाविप की यह बैठक ज्ञान, साधना, संस्कार और गंगा-यमुना के उद्गम स्थल की भूमि पर आयोजित की जा रही है, जिससे हम सभी के भीतर भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। भारतीय संस्कृति के अनुरूप भारतीय युवाओं का मानस बने इसके लिए भारतीय मूल्यों के आधार पर नेतृत्व आवश्यक है और अभाविप इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि, ÷अभाविप की इस राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में देशभर से आए कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक और कार्यक्रियात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस बैठक और अधिवेशन के माध्यम से विद्यार्थी परिषद के कार्य को तेज़ गति मिलने वाली है। बैठक में आए प्रतिनिधि कार्यकर्ता अपने केंद्रों पर सम्पूर्ण दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ काम कर सभी शैक्षिक संस्थानों एवं समाज तक विद्यार्थी परिषद का संदेश पहुंचाएंगे। एक नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता आगे बढ़ेंगे और निश्चित रूप में देशभर में छात्रशक्ति तीव्र गति से आगे बढ़ने वाली है।

साहित्य संगोष्ठी में कई विधाओं के सृजन को रेखांकित करना महत्वपूर्ण : प्रो. ताराचंदानी

मुंबई । भारत सरकार की राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी और सेवा सदन महाविद्यालय उल्हासनगर के संयुक्त तत्वाधान में सिंधी साहित्य पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी उल्हासनगर में गत दिवस संपन्न हुई। इस संगोष्ठी की संयोजक प्रो. संध्या चंदर कुंदनानी थीं। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. नामदेव ताराचंदानी बड़ौदा थे। प्रो. ताराचंदानी साहित्य अकादमी भारत सरकार के पूर्व संयोजक और वरिष्ठ साहित्यकार हैं। प्रो. ताराचंदानी जी ने कहा कि यह संगोष्ठी इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मानी जाएगी क्योंकि सिंधी साहित्य की अधिकांश विधाओं को समाहित करते हुए शोध पत्र प्रस्तुत किए जा रहे हैं। चाहे सिंधी काव्य हो या कहानी या उपन्यास या फिर यात्रा संस्मरण, इस संगोष्ठी का फलक काफी व्यापक है। नाटक, यात्रा वृतांत,जीवनी,आत्म कथा,गजल,आलोचना और यहां तक की साक्षात्कार विधा को पहली बार इस संगोष्ठी में शामिल किया गया है। संगोष्ठी में प्रो. बलदेव मतलानी, रोमा जयसिंघानी,जगदीश लच्छानी,डॉ हासो दादलानी, भगवान बाबानी,प्रकाश तेजवानी,सरिता शर्मा अशोक मनवानी ,मेनका शिवदासानी,अशोक मुक्ता और विनोद आसुदानी ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के तृतीय और आखिरी सत्र में कवि सम्मेलन हुआ जिसमें विभिन्न राज्यों से पधारे सिंधी कवियों ने भी काव्य पाठ किया। संचालन हरि चोइथानी ने किया। संगोष्ठी के संबंध में सेवा सदन महाविद्यालय उल्हासनगर की श्रीमती रेणुका शेवकानी ने संयोजन किया। संगोष्ठी में विभिन्न राज्यों के साहित्यकार उत्साह पूर्व शामिल हुए।

प्रांतीय महिला स्वसहायता समूह महासंघ ने बताई समस्याएं

कमलनाथ के नाम कांग्रेस जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ मप्र (स्व सहायता समूह, रसोइया संघ) की पदाधिकारियों व कार्यकर्तागण ने राजीव भवन पहुंचकर कमलनाथ के नाम ज्ञापन कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे को सौंपा। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय स्व सहायता समूह की प्रेमवती, बिनीता, सुनीता रेशमा नाहिद, शकीला, सलमा बानो, शबाना, राजकुमारी, लखनवती, रोशनी मालवी, संतोषी बन्देवार सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहीं।

जनसुनवाई में आमजनों की समस्याओं से रूबरू होकर करते हैं स्थायी समाधान

नरसिंहपुर , सांध्य प्रकाश। – विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा हर गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह कुल 367 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं। जनसुनवाई के माध्यम से लगातार हो रहे समाधान ने क्षेत्रवासियों में यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उनका जनसेवक सदैव तत्पर खड़ा है उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 367 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे

काजीपुरा वार्ड नंबर 8 के कई रोड उखड़े पार्षद ने सीएमओ को शिकायत कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई के दिए निर्देश

आष्टा, सांध्य प्रकाश। काजीपुरा वार्ड नंबर 8 धोबी मोहल्ला के कई रोड उखड़े पार्षद ने सीएमओ को शिकायत की दिए ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पार्षद तस्कीन शेख रईस ने बताया कि आष्टा के काजीपुरा वार्ड नंबर 8 धोबी मोहल्ला के रोड़ सहित काजीपुरा में अंदर जितने भी रोड नगर पालिका द्वारा सतीश ठेकेदार से बनवाए गए सारे रोड गुणवत्ताहीन बनाए गए ठेकेदार द्वारा बनाए गए रोड़ों पर कई अनियमितताएं देखी गई जगह-जगह रोड़ खुदने लगे हैं। नगर पालिका अधिकारी विनोद प्रजापति ने ठेकेदार और इंजीनियर धुर्वे एवं ए ई सहित पूरी टीम के साथ आकर सभी रोड़ों का निरीक्षण किया। जांच मे गुणवत्ताहीन रोड पाए जाने पर ठेकेदार सतीश मेवाड़ा द्वारा वार्ड 8 मे अभी तक जितने भी नए गए सभी टोटल बनाए गए रोड खोदकर उखाड़ कर वापस से एक माह के अंदर ही नए रोड़ बनाने के निर्देश जारी करते हुए ठेकेदार सतीश मेवाड़ा को तत्काल नोटिस जारी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दलहन में बनेंगे आत्मनिर्भर : सांसद

ग्राम पंचायत भानादेही में किसानों को वितरित किए दलहन के बीज

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों के हितों के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार किसानों के कल्याण के लिए बहुतेरे प्रयास कर रही है। भाजपा सरकार के कारण पहली बार किसानों को दलहन के बीज वितरित किए जा रहे है। भाजपा सरकार लगातार किसानों के हित में कार्य कर रही है, किसानों को प्रतिवर्ष केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 12 हजार की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। उक्त आशय के उद्गार सांसद बंटी विवेक साहू ने मप्र किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा ग्राम भानादेही में आयोजित कार्यक्रम में किसानों को मुफ्त दलहन बीज वितरण के कार्यक्रम के अवसर पर व्यक्त किए।

इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने किसानों को अपने हाथों से दलहन के बीज वितरित करते हुए कहा कि वे समय-समय पर फसलों के उत्पादन में परिवर्तन लाए। अब जल्द ही भारत दलहन की फसलों का निर्यात भी करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिलें में भी किसान कल्याण के लिए लगातार कार्य किए जा रहे है।

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय भोपाल में पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह मध्य प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा गोविंद सिंह तथा कई वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की

हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

हमारा कर्तव्य है कि हम दूसरों की मदद करें- श्याम शिवहरे

दमोह, सांध्य प्रकाश। स्थानीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा संविधान लागू होने के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में संविधान दिवस पर हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान, विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भूतपूर्व प्राध्यापक जितेन्द्र गुरू ने की वहीं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार नरेंद्र दुबे, भाजपा के जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे और जनपद सदस्य संगीता श्रीधर रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आलोक जैन वरिष्ठ प्राध्यापक डां. एसके अग्रवाल, डॉ हरिओम दुबे और कार्यक्रम की संयोजक एवं राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ इंदिरा जैन की विशेष उपस्थिति रहीं। संगोष्ठी में राजनीति विज्ञान के एम ए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और अतिथियों का स्वागत शॉल श्रीफल से किया गया।

विषय प्रवर्तक के रूप में डां इंदिरा जैन ने विषय की शुरुआत करते हुए कहा कि संविधान राष्ट्र की अभिव्यक्ति के साथ शुरू होता है जिसमें हम सांस लेते हैं यह सिर्फ अक्षरों का समूह नहीं,बल्कि जीवन मूल्यों का लिपिबद्ध दस्तावेज है सैकड़ो वर्षों की गुलामी के पश्चात सुनहरे भविष्य की आशा के साथ विकास के नये आयाम को स्थापित करने एवं ग़लतियों को दूर करने और सुधारने का मौका मिला। श्याम शिवहरे ने कहा आजादी के पहले भी अधिकार थे परंतु उस समय गुलाम के नाते अधिकार दिए गए थे। आजादी के बाद मूल अवधारणा में स्वतंत्रता व अधिकार मिले पर अधिकार क्षेत्र कितना है यह अवधारणा में आया, 1000 पहले से हम विश्व को ज्ञान प्रदान करते आ रहे है अब हम फिर उस स्थिति में पहुंच रहे है आपकी भी जिम्मेदारी बढ़ रही है। लाभ मिला है पर दुरुपयोग ना हो। सबकी मदद करना हमारा कर्तव्य है। संविधान की रक्षा नागरिकों से होती है शासन प्रशासन के साथ आप की भी जागरूकता होनी चाहिये मतदाता सूची का निरीक्षण करें। मतदान कर्तव्य और प्रमाण है। नरेंद्र दुबे ने कहा सफलता और सार्थकता दिखाई देनी चाहिए। महाविद्यालय में महान विचारों का चिंतन हो।हम संविधान का अमृत उत्सव मनाने जा रहे हैं। हिंदुस्तान की संस्कृति, विरासत ऐसी है जो हमें टूटने नहीं देती है। देश विविधताओं से भरा है हमें एकजुटता दिखानी होगी। अधिकार के साथ कर्तव्यों का क्रियान्वयन करना है। राष्ट्र है तो हम हैं। डॉ जितेंद्र गुरु ने कहा कि जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, समाज के लोग जागरूक होंगे तो जाति के आधार पर यह भेदभाव भी समाप्त होगा। संविधान लोगों को समानता प्रदान करता है,राज्य और जनता के बीच संबंधों की व्याख्या करता है। हमारा संविधान हस्तलिखित संविधान है। अच्छी चीज हमने अन्य संविधानों से ग्रहण की है। अराजकता की स्थिति ना हो इसलिए संविधान होना जरूरी है,अनुसरण करने वाले अच्छे होंगे संविधान अच्छा होगा। छात्र यशस्वी तिवारी, निकिता जैन,अजय कुशवाहा, अनुराग पटैरिया, सतीश अहिरवार, माधव काछी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर डॉ पवन जैन, डॉ एम एम महंत,एन पी कुमार, एकता मसीह, नाजनीन बेगम,बीडी रैकवार, धीरज जानसन, डॉ ऋषिभा, शिवा जैन सहित महाविद्यालय स्टाफ और छात्र छात्राओं की उपस्थिति रहीं।कार्यक्रम का संचालन डॉ अनिल जैन और आभार डॉ हरिओम दुबे ने व्यक्त किया।

अतिवर्षा से प्रभावित किसानों को सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री ने किया मुआवजे का वितरण

तहसील परिसर में आयोजित लाइव कार्यक्रम उपरांत किसानों के साथ विधायक ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

सिरोंज, सांध्य प्रकाश। अतिवृष्टि से प्रभावित किसान हितग्राहियों को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को श्योपुर जिले से सिंगल क्लिक के माध्यम से सिरोंज लटेरी के किसानों को 29 करोड़ 65 हजार 4 सौ 4 रुपए की राहत राशि का वितरण किया। इनमें से 7 करो? 93 लाख एक हजार पाँच सो रुपए की राहत राशि सीधे किसानों के खाते में जारी करने के दिवस ही पहुंचेगी। शेष राशि आगामी दिनों में किसानों के खाते में पहुंचेगी। गुरुवार को स्थानीय तहसील परिसर में विद्यालय उमाकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री के लाइव कार्यक्रम में किसानों के साथ सहभागिता की।

उल्लेखनीय हे कि अति वर्षा के कारण इस साल सिरोंज विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र में अधिक बारिश के कारण सोयाबीन की फसल खराब हो गई थी द्य उत्पादन इतना कम हुआ कि किसान फसल कटाई का पैसा तक नहीं निकाल पाये द्य सिरोंज लटेरी विधायक उमाकांत शर्मा ने किसानों के आर्थिक नुकसान की पीड़ा को समझते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मिलकर तथा पत्र लिखकर क्षेत्र के किसानों के लिए मुआवजे की मांग की थी।

पूर्व में 30 अक्टूबर को मुख्यमंत्री फसल क्षति राहत राशि वितरित करने वाले थे जो तकनीकी कारणों से स्थगित हो गया था द्य 27 नवम्बर की दोपहर को प्राकृतिक आपदा ग्रस्त 6 जिले के किसानों को राहत राशी का अंतरण मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया द्य मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव सिरोंज के तहसील स्थित वीसी कक्ष में देखा गया जहाँ सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा, विदिशा से पधारे एडिशनल कलेक्टर अनिल डामोर व डिप्टी कलेक्टर निकिता तिवारी, सिरोंज स्थरूहरिशंकर विश्वकर्मा, तहसीलदार संजय चौरसिया, ?ला पंचयात उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी,जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव सहित अनेक किसान उपस्थित रहे द्य

सिरोंज विधानसभा के 47083 किसानों को मिलेगी राहत राशी

अतिवृष्टि से शराब सोयाबीन और उडद की फसल के लिए सिरोंज के 300 गांव के 30816 किसान, लटेरी के 200 गांव के 16267 सहित सिरोंज लटेरी विधानसभा के कुल 47083 किसानों को 29 करो? 65 हजार 4 सौ 4 रुपए की राहत राशी मिलेगी द्य जिसमें से आज सिरोंज के सोयाबीन किसानों को 5 करोड 90लाख 6 हजार 13 रुपए की राहत राशी, और लटेरी के सोयाबीन /उडद किसानों को 2 करो? 3 लाख एक हजार पाँच सौ रुपए की राहत राशी जारी की गई द्य इस तरह सिरोंज विधानसभा के किसानों को उनके खाते में आज सिंगल क्लिक से 7 करोड 93 लाख 7 हजार 13 रुपए की राशी प्राप्त हो गई द्य

शेष किसानों को दो महीने के भीतर भीतर राहत राशी खाते में आ जाएगी छोटे किसानों को 5500 रुपए प्रति हेक्टेयर और बड़े किसानों को 5000 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से राहत राशी दी जा रही हैं किसी भी किसान को 5 हजार से कम मुआवजा नहीं मिलेगा, अगर किसी के पास सिर्फ एक बीघा जमीन ही हैं तो उसको भी पाँच हजार तो मिलेंगे ही।

विधायक उमाकांत शर्मा ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

विधायक उमाकांत शर्मा ने डबल इंजन सरकार और मुख्यमंत्री मोहन यादव की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया द्य उन्होंने कहा कि जब 30 अक्टूबर को राहत राशी तकनीकी कारणों से स्थगित हो गई तो कई लोगों और कोंग्रेसियो ने का?ी ताने मारे द्य लेकिन हमने किसी को कोई जबाब नहीं दिया, आज आलोचना करने वाले मुंह दिखाने लायक नहीं बचे द्य 5000 रुपए हेक्टेयर के हिसाब से सरकार भरपूर मुआवजा दे रही हैं द्य सिरोंज विधानसभा के 500 गाँवो में 29 करोड़ से अधिक की राहत राशि का वितरण किसानों को हो रहा हैं द्य मुख्यमंत्री जी ने मेरा निवेदन मानकर 6(4) प्रावधान के तहत सर्वे कराकर राहत राशी पात्र हितग्राहियों को वितरित की हैं द्य उन्होंने विधानसभा के सभी किसानों की और से मुख्यमंत्री मोहन यादव जी का धन्यवाद अदा करता हूँ।

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की पहल रंग लाई

देशभर के अधिस्वीकृत पत्रकारों को पुनः मिलेगा रेलवे कंसेशन

भोपाल, सांध्य प्रकाश। देश के पत्रकार समुदाय के लिए यह अत्यंत हर्ष और राहत का विषय है कि लंबे समय से बंद पड़ी रेलवे कंसेशन सुविधा अब पुनः बहाल होने जा रही है। यह उपलब्धि पत्रकारों के अधिकारों और उनके पेशेगत दायित्वों के प्रति समर्पित संगठनों के निरंतर संघर्ष और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (बीएसपीएस) के महासचिव तथा मध्यप्रदेश प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी, और बीएसपीएस की मध्यप्रदेश इकाई–जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ़ मध्यप्रदेश (जंप) के प्रदेश अध्यक्ष

डॉ. अरुण सक्सेना ने बताया कि पत्रकारों को रेलवे कंसेशन पुनः उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने सिद्धांततः स्वीकृति प्रदान कर दी है। जल्द ही यह सुविधा औपचारिक रूप से बहाल कर दी जाएगी।

नेताद्वय के अनुसार, गत वर्ष दिल्ली के जंतर मंतर पर देशभर से जुटे श्रमजीवी पत्रकारों ने एक ऐतिहासिक धरना-प्रदर्शन के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मांगें सरकार के समक्ष रखी थीं–पत्रकार सुरक्षा कानून, पत्रकारों हेतु पूर्ण स्वास्थ्य बीमा योजना, अधिस्वीकृत पत्रकारों को रेलवे कंसेशन, तथा देशभर में टोल शुल्क से छूट।

इन मांगों में से रेलवे कंसेशन की मांग को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लेते हुए स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत ज्ञापन पर सकारात्मक विचार करते हुए प्रधानमंत्री व रेल मंत्री दोनों ने पत्रकारों के लिए यात्रा सुविधा की आवश्यकताओं को समझते हुए इसे आगामी बजट सत्र से लागू करने की सहमति व्यक्त की है। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पांडे, संघ के संस्थापक शहनवाज़ हसन, संगठन मंत्री गिरिधर शर्मा, तथा देशभर की सक्रिय इकाइयों ने इस आंदोलन को एक राष्ट्रीय स्वरूप देकर सरकार को पत्रकारों की वास्तविक जरूरतों पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य किया। पत्रकारों का यह प्रदर्शन पत्रकारिता जगत में ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित हुआ। रेलवे विभाग के सूत्रों के अनुसार, अधिस्वीकृत पत्रकारों को पहले की ही भांति निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत रेलवे कंसेशन उपलब्ध कराया जाएगा।

जंप के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण सक्सेना ने इस ऐतिहासिक सफलता पर सभी पत्रकार साथियों को बधाई देते हुए घोषणा की कि आगामी 27 दिसंबर को एक भव्य 'आभार सम्मेलन' आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में देशभर के पत्रकार साथी एकजुट होकर भारत के माननीय प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार व्यक्त करेंगे।

तीन दिवसीय जननायक महोत्सव का हुआ शुभारंभ

जननायक महोत्सव अंतर्गत हुआ राजा पेमलशाह नृत्य नाटिका का मंचन

दमोह , सांध्य प्रकाश । जिले के जबेरा जनपद के ग्राम सिंग्रामपुर में और हटा के ग्राम मजियादो में 3 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। सिंग्रामपुर में इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि सत्येन्द्र सिंह और विशिष्ट अतिथि रूपेश सेन द्वारा कलाकारों का फूल मालाओं से स्वागत कर किया गया। इस अवसर पर दोनों ग्रामों में बड़ी संख्या में ग्रामवासी और आसपास के गांवों से आये ग्रामवासी मौजूद रहे।

भारत के सांस्कृतिक विरासत को समझने और उसकी जड़ों की अनुभूति के लिए जनजातीय आख्यान एक प्रेरक माध्यम की तरह हैं, जो गोंड जनजातीय आख्यानों जिनसे गौड समुदाय की जीवन परंपरा को देखा और समझा जा सकता है। उनकी प्रस्तुतियां हम उनके चरित नायकों राजा पेमल शाह, हीराखान सिंह में देख सकेंगे। इन आख्यानों की यह खूबसूरती है कि इनमें जहां जातीय शौर्य के उदाहरण हैं, वही तंत्र-मंत्र और संबंधों की रक्षा के लिए अपने जीवन का उत्सर्ग भी है। यह सिर्फ कहानियां भर नहीं है। जननायक समारोह का यह स्वरूप तीन नृत्य-नाटक प्रस्तुतियों से बुना गया है, जिनमें दो प्रस्तुतियां आख्यान परक है एवं एक प्रस्तुति ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है। इन प्रस्तुतियों को इस तरह से परिकल्पित करने के पीछे गोंड जनजातीय की सांस्कृतिक, शौर्य परक, आध्यात्मिक निरंतर को भी इन प्रस्तुतियों में बताना लक्षित किया गया है। इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से गौड साम्राज्य के 52 गढ़ों में से पहले चरण में 30 गढ़ों में प्रस्तुतियों का तीन दिवसीय समारोह जननायक आयोजित किया जा रहा है। विभाग की ओर से प्रस्तुतियों का निर्देशन एवं पुनर्संयोजन श्री रामचंद्र सिंह, श्री नवीन सिंह श्याम, आशीष पटेल द्वारा कराया गया है।

आज की प्रस्तुति – राजा पेमल शाह

राजा पेमलशाह गोंड राजाओं में प्रतापी राजा थे, क्योंकि ÷ब्रह्मा ने स्वयं उनका अवतरण किया था। ब्रह्मा ने संसार की रचना की और उन्होंने संसार को चलाने और उसका भरण पोषण करने के लिए ब्राह्मणों को बुलाया। ब्रह्मा ने ब्राह्मणों से कहा कि मैंने सृष्टि रचना कर दी है लेकिन उनका भरण पोषण करने का दायित्व आप को देना चाहता हूं, तो ब्राह्मणों ने मना कर दिया। उन्होंने पूजा पाठ करने की बात कही। फिर उन्होंने क्षत्रियों को बुलाया लेकिन क्षत्रियों ने भी मना कर दिया। फिर अंत में गौड को बुलाकर कहा कि इस संसार के भरण पोषण का दायित्व तुम लोगों को संभालना है तो गोण्डों ने उसे स्वीकार कर लिया। कालांतर में गोण्ड समुदाय में अपनी-अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने की होड़ मच जाती है और आपस में लड़ने-कटने लगते हैं। अब ब्रह्मा सोच में पड़ गए, फिर उन्होंने गौड में से किसी एक को राजा बनाने के लिए सोचते हैं। इसके लिए वे शरीर की मथानी बनाते हैं और देवताओं द्वारा मथने की प्रक्रिया करते हैं। अंत में सात कोरी देवताओं के मथने से गोंड निकल के आ अबते हैं। ब्रम्हा कहते हैं कि जाओ बेटा तुमको राजा बनाता हूं। इसी घराने से राजा पेमलशाह होते हैं उनके साथ चार भाई शंकर शाह, दलपत शाह, बुढ़न शाह, दूधन शाह होते हैं। राजा पेमलशाह के राज्य में प्रकृति के प्रकोप से उनके राज्य की बर्बादी हो जाती है, जहां भुखमरी आ जाती है। लेकिन पेमल शाह हार नहीं मानते हैं और खेती करते हैं और राज्य में खुशहाली आ जाती है। दिल्ली में बैठे बादशाह को पेमल शाह की कर्मठता का पता चलता है और वह पेमल शाह के पास आता है। तब पेमलशाह को गढ़ मंडला और चौरा दादर को बचाने के लिए भेज देता है। पेमलशाह बूढ़ा एवं पैतृक देवता का आवाहन करते हैं और चौरा दादर एवं गढ़ मंडला को आबाद कर देते हैं।

जननायक उत्सव में नृत्य नाटिका मंचन के दौरान एस डी एम राकेश मरकाम, सी. ई. ओ. संजीव गोस्वामी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी छिरौल्या, सरपंच श्रीमती राधा रानी रामकरण अहिरवार, थाना प्रभारी शिवांगी गर्ग, श्रीमती मंजू लता श्रीवास्तव, डॉ रामगोपाल सोनी, श्रीमती मीना ज्ञानेश सोनी, हरिप्रसाद तंतुवान, धुन सिंह राजपूत (सचिव मडियादो), संतोष सिंह ठाकुर (सहायक सचिव) कमलेश चौदहा, कड़ोरी आदिवासी, श्रीमती सविता छिरौल्या, श्रीमती मंजूलता श्रीवास्तव सहित मडियादो के वरिष्ठ गणमान्य नागरिक सहित पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

सांध्य प्रकाश विशेष

धर्म और समाज – दो नहीं, एक ही धारा

डॉ. धर्मचन्द जैन द्वारा समाज सुधार में धर्म-संघ की भूमिका विषय पर जोधपुर में सार्थक संगोष्ठी का आयोजन करने के लिए मैं उन्हें हृदय से साधुवाद अर्पित करता हूँ। यह विषय आज के समय की आवश्यकता है- क्योंकि समाज का स्वरूप बदल रहा है, मूल्य बदल रहे हैं और धर्म की भूमिका केवल पूजा या साधना तक सीमित नहीं रह गई है। धर्म और समाज दो अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। धर्म समाज को दिशा देता है, और समाज धर्म को आधार देता है। यदि समाज ही नहीं रहेगा, तो धर्म का अस्तित्व किसके लिए? और यदि धर्म नहीं रहेगा, तो समाज दिशाहीन होकर विघटन की ओर जाएगा। मानव सभ्यता के आरंभ से ही धर्म का मूल उद्देश्य था- जीवन को संयम, मर्यादा और न्याय के मार्ग पर रखना। जैन दर्शन कहता है कि जब भी सृष्टि का नवचक्र आरंभ होता है, धर्म का पुनर्जन्म भी होता है। भगवान ऋषभदेव के समय में जब मनुष्य ने पहली बार सभ्यता का अनुभव किया, तब धर्म ने उसे कर्म और कर्तव्य का बोध कराया। उन्होंने मानव को कृषि, उद्योग, गणना और लेखन सिखाया - ताकि जीवन में संतुलन और न्याय बना रहे।

ऋषभदेव ने यही सिखाया कि परिश्रम करने वाला अधिक पाएगा , पर वह न्याय और करुणा को न भूले। जब विवाद बढ़े तो उन्होंने लेखन और गणना सिखाई, जब हिंसा की संभावना बढ़ी तो आत्मरक्षा का ज्ञान दिया। और अंततः उन्होंने मानवता को दिया अमर संदेश जीओ और जीने दो। यही सूत्र किसी भी सभ्यता के लिए सबसे बड़ा धर्म बन सकता है। सभ्यता के साथ-साथ जब मनुष्य ने अनुभव किया कि संस्कृति की स्थिरता उसके मूल विचारों और नैतिक आधारों पर टिकी है, तब जैन दर्शन ने मानवता, शांति, संयम और सह-अस्तित्व को जीवन का केंद्र बनाया। यही वे मूल्य हैं, जिनसे समाज का वास्तविक उत्थान संभव है। परंतु जब समाज इन मूल्यों को भुलाने लगता है, तब धर्म-संघ को आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभानी होती है – जागृति की, एकता की और दिशा देने की।

सुगालचंद जैन, चेन्नई

मुख्यमंत्री मोहन यादव के बेटे की शादी का आमंत्रण पत्र आया सामने

सीएम मोहन यादव के बेट डॉ. अभिमन्यु यादव की शादी डॉ. ईशिता यादव पटेल से 30 को सामूहिक विवाह सम्मेलन में होगी

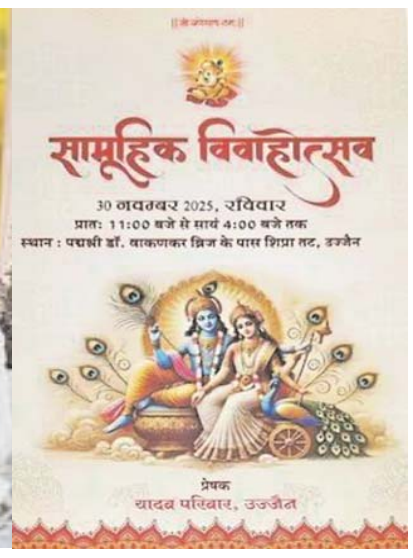

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मोहन यादव के बेटे की शादी को लेकर आमंत्रण पत्र सामने आया है। समाज में सकारात्मक संदेश देने के लिए मुख्यमंत्री ने सामूहिक विवाह में शादी करने का फैसला किया है। सीएम के बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की शादी डॉ. ईशिता यादव पटेल से 30 नवंबर 2025 को होगी। शादी उज्जैन में सामूहिक विवाह सम्मेलन में होगी। शादी को लेकर सोशल मीडिया पर कार्ड वायरल हो रहा है। यह कार्ड अपनी सादगी के लिए चर्चा में है। सीएम ने मेहमानों को गिफ्ट लाने से भी मना किया है। उन्होंने कहा है कि उनका आशीर्वाद ही नए जोड़े के लिए अमूल्य उपहार है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निमंत्रण कार्ड में लिखा है, मेरे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव का विवाह डॉ. ईशिता यादव पटेल से हो रहा है। यह विवाह सामूहिक विवाह उत्सव का हिस्सा होगा। इसमें 21 जोड़े एक साथ शादी करेंगे। सीएम मोहन यादव ने इसे सामाजिक संतुलन और मेल-जोल से भरा आयोजन बताया है। इसमें उनके बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव विवाह के बंधन में बंधेंगे।

बड़े बेटे की शादी में भी थी सादगी

इससे पहले फरवरी 2024 में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक साधारण समारोह में शादी की थी। बता दें कि सीएम के बड़े बेटे वैभव यादव की शादी राजस्थान के पुष्कर में हुई थी। यह शादी मुख्यमंत्री बनने के सिर्फ तीन महीने बाद हुई थी। सीएम मोहन यादव उज्जैन के रहने वाले हैं। इनके करीबी लोग बताते हैं कि सीएम मोहन यादव हमेशा पारिवारिक और सामाजिक कार्यक्रमों को सादगी से आयोजित करने पर विश्वास रखते हैं।

महापौर मालती राय ने 4 कचरा वाहन बैरसिया रवाना किए

आज आईएसबीटी परिसर में स्वच्छ शहर जोड़ी के अंतर्गत बैरसिया नगर पालिका को स्वच्छता संबंधी कार्यों में सहयोग हेतु भोपाल नगर निगम द्वारा 4 मैजिक वाहन प्रदान कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किए। इस अवसर पर विधायक विष्णु खत्री, महापौर मालती राय, निगम आयुक्त संस्कृति जैन, क्षेत्रीय पार्षद राकेश यादव, बैरसिया नगर पालिका के अधिकारीउपस्थित रहे।

माली समाज ने ज्योतिबा फुले की पुण्य तिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

माली समाज ने 7 नंबर स्टॉप पर महात्मा ज्योति बा फुले को उनकी पुण्य तिथि पर याद किया। समाज ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्कृष्ट कार्य पर अब तुरंत मिलेगा ऑन-द-स्पॉट अवॉर्ड, प्रदेश पुलिस में पहली बार नई व्यवस्था

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पुलिस में कार्यप्रणाली को तेज, पारदर्शी और प्रेरणादायी बनाने की दिशा में उज्जैन पुलिस ने एक अभिनव पहल की है। जिले में अब उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तुरंत मौके पर ही 'ऑन-द-स्पॉट' अवॉर्ड दिया जाएगा। यह व्यवस्था सूबे में पहली बार लागू की गई है और इसे पुलिस महकमे में एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा की परिकल्पना पर तैयार की गई इस प्रणाली के तहत एक विशेष इनाम आदेश बुक बनाई गई है, जिसके माध्यम से अवॉर्ड और प्रमाणपत्र मौके पर ही पुलिसकर्मी को सौंपे जा सकते हैं। अब तक पांच पुलिसकर्मियों को इस नई प्रक्रिया के तहत ऑन-द-स्पॉट अवार्ड दिया जा चुका है। नई व्यवस्था में अवॉर्ड देते समय यह स्पष्ट उल्लेख किया जाता है कि संबंधित पुलिसकर्मी को किस कार्य के लिए सम्मान दिया जा रहा है। यही रिकॉर्ड आगे चलकर उनकी विशेषज्ञता श्रेणी तय करने में भी उपयोग होगा। उदाहरण स्वरूप, यदि किसी कर्मचारी ने साइबर धोखाधड़ी के मामलों में प्रभावी काम किया है, तो उसे साइबर एक्सपर्ट कैटेगरी में शामिल किया जाएगा, जिससे भविष्य में उसे ऐसे मामलों में प्राथमिकता दी जा सकेगी।

पुरानी लंबी प्रक्रिया खत्म

इससे पहले अवॉर्ड प्रक्रिया बेहद जटिल थी। एसपी की अनुमति के बाद स्टेनो नोटशीट तैयार करता था, फिर कई स्तरों पर फाइल घूमती थी। कई बार यह प्रक्रिया 10 से 15 दिन तक खिंच जाती थी और अधिकारी भूल जाते थे कि किस कर्मी को किस कारण सम्मानित करना था। नोटशीट या फाइल गुम होने की स्थिति में कर्मचारी पूरे पुरस्कार से वंचित रह जाते थे। नई पहल ने इस संपूर्ण प्रणाली को तेज, साफ-सुथरा और जवाबदेह बना दिया है।

खाद संकटः महिला किसान की मौत के बाद एक्शन में कलेक्टर

गुना सांध्यप्रकाश। खाद के लिए महिला किसान की मौत के बाद खाद वितरण केंद्रों पर मची अफरा-तफरी और किसानों की जद्दोजहद के बीच शुक्रवार सुबह कलेक्टर किशोर कन्याल ने खुद मोर्चा संभाला। लंबी-लंबी कतारों में लगे किसानों के बीच पहुंचे कलेक्टर ने स्वयं माइक लेकर व्यवस्थाएं संभालीं और किसानों को आश्वस्त किया कि खाद पर्याप्त है और सभी को मिलेगी, बस पैनिक न करें। इस दौरान कलेक्टर द्वारा प्रत्येक किसान को 10-10 बोरी खाद वितरण की घोषणा की गई, जिससे उत्साहित किसानों ने जोरदार तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।

खाद के एक-एक कट्टे के लिए हो रही जद्दोजहद के बीच कलेक्टर कन्याल ने सीधे किसानों से बात की। उन्होंने घोषणा की, भैया, जिसकी पर्ची कट गई है उसे दस बोरी खाद मिलेगी। इसके साथ ही, उन्होंने एक महत्वपूर्ण अपील भी की। उन्होंने कहा, रात को यहां कोई नहीं रूकेगा। सबको खाद मिलेगी, खाद पर्याप्त है। कल सुबह 7 बजे से टोकन बांटे जाएंगे और शाम 6 बजे तक खाद बंटेगी। कलेक्टर ने बुजुर्गों को लाइन में लगाने पर सख्त नाराजगी जताई और युवाओं को बुजुर्गों का ध्यान रखने की समझाइश दी। उन्होंने कहा, सभी आप लोग जवान लोग हैं। किसी दादा-दादी, नाना-नानी को लेकर मत आना। कल मैंने एक जवान युवक को दादा को लाइन में लगाने पर बहुत डांटा। यह अच्छी बात नहीं है।

वितरण व्यवस्था में सुधार के निर्देश

कलेक्टर ने मौके पर प्रबंधक से खाद वितरण काउंटरों की जानकारी ली। प्रबंधक ने दो सामान्य और एक विकलांग काउंटर होने की जानकारी दी। इस पर कलेक्टर ने विकलांग काउंटर से भी सामान्य वितरण के निर्देश दिए और कहा कि कोई विकलांग किसान आए तो उसे पहले खाद दी जाए। उन्होंने लाइन में लगी महिला किसानों से भी चर्चा की और पूछा कि उनकी कितनी जमीन है और वह किसी और के लिए लाइन में तो नहीं लगी हैं। कलेक्टर के इस सीधे संवाद और त्वरित कार्रवाई से किसानों में संतोष दिखाई दिया। इस दौरान मारकीमहू से 55 किमी दूर से रात 3 बजे खाद लेने आए किसान दीपक यादव ने राहत जताते हुए कहा, पहले पांच कट्टे मिल रहे थे, अब कलेक्टर साहब 10 कट्टे देने के आदेश दे गए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात खाद के लिए लाइन में लगी महिला किसान भूरी बाई की तबीयत खराब होने के बाद मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था।

आईएएस संस्कृति जैन को उत्कृष्ट शासन और पर्यावरण प्रशासन पुरस्कार से सम्मानित किया

भोपाल सांध्य प्रकाश। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट, भोपाल की ओर से सुशील कुमार जैन, विनय जैन (बावड़ी खेड़ा) सह्यायाचल तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री, जैन समाज वरिष्ठ रमेश जैन (मोना ऑप्टिकल) एवम विजय जैन द्वारा नगर निगम कमिश्नर भोपाल आईएएस संस्कृति जैन को उत्कृष्ट शासन और पर्यावरण प्रशासन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुशील कुमार जैन ने बताया कि आईएएस संस्कृति जैन द्वारा आलीराजपुर-नर्मदापुरम में जिला पंचायत सीईओ, मऊगंज में एसडीएम, सतना में अपर कलेक्टर,रीवा नगर निगम आयुक्त, सिवनी जिला कलेक्टर आदि पदों को पर प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट कार्य किया। आपने विभिन्न पदों पर सक्षम प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भूमि सुधार एवं राजस्व प्रबंधन संबंधी कार्यों में भी अपनी दक्षता स्थापित की हैं। बालाघाट में आपके द्वारा वन अधिकार पट्टा वितरण,आदिवासी कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय व प्रशंसनीय कार्यों का क्रियान्वयन किया गया। विशेष रूप से, कोविड-19 महामारी के दौरान कार्यक्षेत्र जिले में टीकाकरण अभियान को 95 प्रतिशत तक पहुंचाने में आपके द्वारा विशेष दक्षता पूर्वक सतत प्रशासनिक कार्यों का निर्वहन किया गया , जिसकी सराहना राज्य सरकार ने भी की। 2024 में सिवनी जिला कलेक्टर पद पर आपके द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर विशेष कार्य किया गया। सिवनी, जो घने जंगलों और आदिवासी बहुल क्षेत्र के लिए मध्य प्रदेश एवं पूरे भारत देश में जाना जाता है, वहाँ पर आपके द्वारा हरित सिवनीअभियान शुरू किया, जिसके तहत 5 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए। इसके अतिरिक्त किसान कल्याण योजनाओं के तहत उर्वरक वितरण को पारदर्शी बनाने और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में आपका योगदान सराहनीय रहा। आपके प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्यों के लिए पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा आपको एक प्रशस्ति पत्र भी भेंट किया गया !

आरजीपीवी की ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

भोपाल सांध्यप्रकाश। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में पिछले पाँच वर्षों के वित्तीय लेन-देन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर विश्वविद्यालय की वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक की ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने और अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की गई है। ज्ञापन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा सौंपा गया है। ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं और वित्तीय लेन-देन में बड़े पैमाने पर आरोप सामने आए हैं। एबीवीपी ने छात्रों से जुड़े कोष के दुरुपयोग की आशंका है। बिना अधिकृत आदेश के भारी वित्तीय लेन-देन। कई बैंक खातों और एफडी के रिकॉर्ड में गंभीर विसंगतियाँ। एफडी समय से पहले तुड़वाने और राशि के स्थानांतरण का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं।

6 वर्षीय बिटिया से दुराचार का मामला

भोपाल गांधीनगर से धराया दरिंदा, गौहरगंज लाते समय भागने की कोशिश, किया शॉर्ट एनकाउंटर

औबेदुल्लागंज। सुरेश केवट। सांध्यप्रकाश। प्रदेश के रायसेन जिले के गौहरगंज इलाके में 6 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी सलमान को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राजधानी भोपाल के गांधीनगर इलाके से पकड़े गए इस आरोपी के सिर पर 30 हजार रुपये का इनाम था। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस सलमान को रायसेन ले जा रही थी, तब रास्ते में उसने भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस को एनकाउंटर करना पड़ा। इस शॉर्ट एनकाउंटर में आरोपी के पैर में गोली लगी है जिसके बाद उसे भोपाल अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी सलमान पिछले 7 दिनों से फरार चल रहा था। रात्रि 10 बजे के लगभग पुलिस को सूचना मिली कि सलमान भोपाल के गांधीनगर इलाके के वार्ड नंबर 11 में देखा गया है। इस इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने एक्शन लेते हुए गांधीनगर के एक चाय की दुकान से सलमान को दबोच लिया। स्थानीय लोगों ने भी आरोपी को पहचान लिया था और उन्होंने तुरंत गांधी नगर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद भोपाल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सलमान को गिरफ्तार कर लिया और रायसेन पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी के सिर पर 30 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

शातिर अपराधी की भागने की कोशिश नाकाम

जब रायसेन पुलिस सलमान को भोपाल से रायसेन ले जा रही थी। भोजपुर के कीरत नगर गांव के पास पुलिस की गाड़ी का टायर अचानक पंचर हो गया। जैसे ही सब इंस्पेक्टर (एसआई) पहिया बदलने के लिए गाड़ी से उतरे, वैसे ही सलमान ने मौके का फायदा उठाने की कोशिश की, आरोपी सलमान ने अचानक भागने की कोशिश शुरू कर दी। इतना ही नहीं, उसने एक पुलिसकर्मी से पिस्टल छीनने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग भी कर दी। हालात को देखते हुए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और आरोपी के पैर में गोली मार दी। इस एनकाउंटर में सलमान घायल हो गया और उसे तुरंत भोपाल के अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

6 वर्षीय बिटिया से दुराचार का आरोपी हमीदिया अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती है। आरोपी को लेकर हिंदू उत्सव समिति एवं हिंदू संगठन ने हमीदिया अस्पताल में प्रदर्शन किया। यहां पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है।

गंभीर अपराध दर्ज है सलमान पर

सलमान पर रायसेन के गौहरगंज इलाके में 6 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म का गंभीर आरोप है। यह घटना कुछ समय पहले हुई थी, जिसके बाद से पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया था। पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और सलमान के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था। इस जघन्य अपराध के बाद सलमान फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी तलाश के लिए कई टीमें लगाई थीं और उसके सिर पर 30 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर काफी गुस्सा था और सभी चाहते थे कि आरोपी को जल्द से जल्द पकड़कर सजा दिलाई जाए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सलमान के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या सलमान के खिलाफ पहले भी कोई आपराधिक मामला दर्ज है या नहीं। साथ ही, एनकाउंटर के दौरान पुलिस पर फायरिंग करने और पिस्टल छीनने की कोशिश के मामले में भी अलग से कार्रवाई की जाएगी।

इस गिरफ्तारी में स्थानीय लोगों की भूमिका भी काफी अहम रही है। भोपाल के गांधी नगर इलाके के लोगों ने सलमान को पहचान लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। यह जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय का उदाहरण है कि कैसे आम नागरिक अपराधियों को पकड़वाने में पुलिस की मदद कर सकते हैं। रायसेन और गौहरगंज के लोगों ने इस गिरफ्तारी का स्वागत किया है और पुलिस से मांग की है कि आरोपी को सख्त से सख्त सजा मिले। अब सभी की नजरें कोर्ट के फैसले पर हैं। हालांकि हिन्दू संगठनों की मांग अभी भी यही है कि दुर्दांत अपराधी का पूरा एनकाउंटर किया जाए।

चलती ट्रेन में बैग चोरी करने वाले चोर को जीआरपी ने गिरफ्तार किया

एक लाख एक हजार रुपए का सामान बरामद

भोपाल, सांध्य प्रकाश। जीआरपी ने रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रेन में बैग चोरी करने वाले शातिर चोर को पकड़ा है। जीआरपी के अनुसार घटना 6 अक्टूबर को ट्रेन 12615 जीटी एक्स कोच ए 1 बर्थ नम्बर 4 पर महिलायात्री के साथ घटित हुई थी। बताया गया कि सोफिया सदफ पिता मो. इकबाल 24 निवासी हरियाणा अपार्टमेंट सेक्टर फरीदाबाद गुटुर से नई दिल्ली की यात्रा कर रही थी, यात्रा के दौरान नींद का फायदा उठाकर कोई बदमाश फरियादिया का काले कलर का बैग उठा ले गया। जीआरपी के अनुसार इस बैग में एक लैपटॉप, एसर कम्पनी का चार्जर, सेमसंग का टैबलेट पर्पल कलर का, एक सोने की अंगूठी तथा एक फीडेल रखा हुआ था। फरियादिया ने थाना जीआरपी भोपाल में रिपोर्ट करने पर शून्य पर अपराध पंजीबद्ध कर घटना स्थल जीआरपी थाना रानी कमलापति का होने से स्थान्तरण पर डायरी प्राप्त होने पर अपराध पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। अनुसंधान के दौरान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी निखिल गेलानी पिता स्व. रमेश गेलानी 30 निवासी दौलतराम खिलवानी का मकान इटारसी नर्मदापुरम प्रकरण में चोरी गया समस्त माल बरामद किया गया। बरामद माल की कीमत 1,01,000 आकी गई है।